दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-104
मुरादाबाद
(Saturday)
03 August 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

किसान विरोधी होना कांग्रेस के डीएनए में है,

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का तंज

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र की मौजूदा सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए कुछ प्राथमिकताएं तय की हैं, जिनमें फसल उत्पादन को बढ़ाना, कृषि लागत को कम करना, किसानों को फसल की अच्छी कीमत देना और प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में किसानों को पर्याप्त राहत देना शामिल है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि किसान विरोधी होना कांग्रेस के डीएनए में है। विपक्षी पार्टियों द्वारा केंद्र की मोदी सरकार पर कृषि क्षेत्र के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया जा रहा है। विपक्ष के आरोपों के जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पार्टी को ही किसान विरोधी कह दिया। कृषि मंत्री ने गिनवाईं मोदी सरकार की उपलब्धियां- शुक्रवार को राज्यसभा में चर्चा के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार ने बीते 10 वर्षों में कृषि क्षेत्र के बजट में अच्छी खासी बढ़ोतरी की है। किसानों को सब्सिडी पर फर्टिलाइजर्स मिल रहे हैं और आगे भी मिलते रहेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि किसान विरोधी होना कांग्रेस के डीएनए में है। कांग्रेस की प्राथमिकताएं शुरुआत से ही गड़बड़ रही हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र की मौजूदा सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए कुछ प्राथमिकताएं तय की हैं, जिनमें फसल उत्पादन को बढ़ाना, कृषि लागत को कम करना, किसानों को फसल की अच्छी कीमत देना और प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में किसानों को पर्याप्त राहत देना शामिल है। विपक्ष ने सरकार पर किसानों के लिए कुछ न करने का आरोप लगाया- मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने ये भी कहा कि केंद्र सरकार विपक्ष के अच्छे सुझावों का स्वागत करेगी। चौहान ने कहा कि उनकी सरकार किसानों को भगवान मानती है न कि वोटबैंक। उन्होंने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें किसानों को पर्याप्त एमएसपी न देने का आरोप लगाया गया। राज्यसभा में चर्चा के दौरान विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र और किसानों के लिए बीते 10 वर्षों में कुछ नहीं किया है और हालिया बजट भी उम्मीदों के अनुरूप नहीं है

संक्षिप्त समाचार

हमले में जख्मी अनुप्रिया पटेल के जेठ की हालत में सुधार, कोहनी की हड्डी में तीन जगह फैक्चर

बीती 30 जुलाई को प्राण घातक हमले में घायल अरुण के बाएं हाथ की कोहनी की हड्डी तीन जगह फैक्चर हो गई है। इसके अलावा पीठ पर भी गहरी चोट आई है। गंभीर हालत में उन्हें धूमनगंज मीरापट्टी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों ने बुधवार की शाम उनके हाथ का ऑपरेशन किया। हमले में जख्मी केंद्रीय परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के जेठ और सूबे की योगी आदित्यनाथ सरकार में राज्य मंत्री आशीष पटेल के बड़े भाई अरुण पटेल की हालत में सुधार है। बृहस्पतिवार की दोपहर उन्हें आईसीयू वार्ड से प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट किया गया। चिकित्सकों का कहना है कि उन्हें अभी एक हफ्ते तक अस्पताल में रखा जा सकता है। इसके बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज किया जाएगा। बीती 30 जुलाई को प्राण घातक हमले में घायल अरुण के बाएं हाथ की कोहनी की हड्डी तीन जगह फैक्चर हो गई है। इसके अलावा पीठ पर भी गहरी चोट आई है। गंभीर हालत में उन्हें धूमनगंज मीरापट्टी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों ने बुधवार की शाम उनके हाथ का ऑपरेशन किया। करीब दो घंटे तक यह ऑपरेशन चला। देर शाम उन्हें आईसीयू से प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश सिंह ने बताया कि उनका हालत खतरे से बाहर है। पटेल के भाई और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के जेठ अरुण सिंह पटेल पर हुए जानलेवा हमले के मामले में आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला- क्या दलितों व आदिवासियों का जीवन भेदभाव मुक्त हो गया? मायावती ने उठाए सवाल

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले पर बयान दिया है। इस दौरान उन्होंने भाजपा-कांग्रेस पर भी निशाना साधा। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि क्या दलितों व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव-मुक्त हो गया है? ऐसे में आरक्षण का बंटवारा कितना उचित है? उन्होंने भाजपा-कांग्रेस को भी निशाने पर लिया और कहा कि एससी-एसटी व ओबीसी लेकर दोनों दलों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर कहा कि सामाजिक उत्पीड़न की तुलना में राजनीतिक उत्पीड़न कुछ भी नहीं। क्या देश के खासकर करोड़ों दलितों व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव-मुक्त आत्म-सम्मान व स्वाभिमान पूर्ण का हो पाया है। अगर नहीं तो फिर जाति के आधार पर तोड़े व पछाड़े गए इन वर्गों के बीच आरक्षण का बंटवारा कितना उचित?देश के एससी, एसटी व ओबीसी बहुजनों के प्रति कांग्रेस व भाजपा दोनों ही पार्टियों और सरकारों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं। वे इनके सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के पक्षधर नहीं हैं। वरना इन लोगों द्वारा आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालकर इसकी सुरक्षा जरूर की गई होती।

1. सामाजिक उत्पीड़न की तुलना में राजनीतिक उत्पीड़न कुछ भी नहीं। क्या देश के ख़ासकर करोड़ों दलितों व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव-मुक्त आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का हो पाया है। अगर नहीं तो फिर जाति के आधार पर तोड़े व पछाड़े गए इन वर्गों के बीच आरक्षण का बंटवारा कितना उचित?2. देश के एससी, एसटी व ओबीसी बहुजनों के प्रति कांग्रेस व भाजपा दोनों ही पार्टियों/सरकारों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं। वे इनके सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के पक्षधर नहीं वरना इन लोगों के आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालकर इसकी सुरक्षा जरूर की गयी होती।बता दें कि आरक्षण को लेकर बृहस्पतिवार को दिए गए अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी कोटे के भीतर कोटा को वैधानिक करार दिया है और क्रीमी लेयर को आरक्षण से बाहर करने की बात कही है।

लोकसभा अध्यक्ष का फूटा गुस्सा, सांसदों से बोले- आजकल यहां महाभारत सुनाने का किस्सा ज्यादा चल रहा

सोमवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाए जाने संबंधी महाभारत के प्रसंग का उल्लेख करते हुए सरकार पर निशाना साधा था। आज महाभारत शब्द का इस्तेमाल कर लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों को फटकार लगाई।लोकसभा में आज कल महाभारत का जिक्र काफी हो रहा है। निचली सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए गए चक्रव्यूह बयान पर सियासी विवाद जारी है। इस बीच, अध्यक्ष ओम बिरला का नाम लिए बगैर तंज कसते हुए कहा कि ज्यादा चल रहा है। कहानियां न सुनाएं दरअसल, सदन में प्रश्नकाल के दौरान प्रदीप पुरोहित ने आयुष मंत्रालय से प्रसंग का उल्लेख किया। इस पर बिरला सवाल पूछो।उन्होंने आगे कहा कि किस्सा ज्यादा चल रहा है। गौरतलब है, लेकिन गत सोमवार को सदन में बजट

शुक्रवार को गुस्सा फूटा। उन्होंने किसी का आजकल यहां महाभारत सुनाने का किस्सा बल्कि सवाल पूछें। आप महाभारत मत सुनाओ- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद संबंधित प्रश्न पूछने के दौरान रामायण के एक ने कहा कि आप महाभारत मत सुनाओ, आप आजकल लोकसभा में महाभारत सुनाने का लोकसभा अध्यक्ष ने किसी का नाम नहीं लिया, पर चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाए जाने संबंधी महाभारत के प्रसंग का उल्लेख करते हुए सरकार पर निशाना साधा था। राहुल गांधी के चक्रव्यूह वाले बयान पर तंज- राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हिंदुस्तान को अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में फंसाने का आरोप लगाया था और कहा था कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) इस चक्रव्यूह को तोड़ेगा। बता दें कि बीते दिनों लोकसभा में जब राहुल गांधी ने अभिमन्यु और चक्रव्यूह के किस्से का जिक्र किया, उसके बाद जाति को लेकर सदन में खूब हंगामा देखने को मिला था। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक बयान देते हुए कह दिया था कि जिसे अपनी जाति का पता नहीं वह जातिगत जनगणना कराने की बात करता है। जाति पर सदन में गरमा-गरमी- इसके बाद फिर भाजपा को विपक्षी दलों ने घेरने का प्रयास किया। इसके बाद अनुराग ठाकुर ने बयान देते हुए अगले दिन सदन में कहा था, मैंने किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं लिया। मेरा तात्पर्य था कि जिसे जातियों की जानकारी नहीं वह जातिगत जनगणना की बात कर रहा है। बता दें कि इस मामले पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। सदन में बोलते हुए अखिलेश यादव ने अनुराग ठाकुर को घेरने का प्रयास किया और उन्होंने कहा कि आखिर ये किसी की जाति के बारे में कैसे पूछ सकते हैं। यह पूरी तरह से अनुचित व्यवहार है।

संसद हस्तक्षेप कर सकती है, अंधविश्वास मिटाने के लिए कदम उठाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अंधविश्वास और जादू-टोना से जुड़ी एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। दरअसल, याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों को अंधविश्वास, जादू-टोना और संबंधित प्रथाओं को समाप्त करने के उद्देश्य से उपाय अपनाने के निर्देश देने की मांग की गई थी।अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दी गई याचिका में अंधविश्वास और जादू-टोना के खिलाफ सख्त कानूनों की आवश्यकता पर तर्क दिया गया था, ताकि समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाले अवैज्ञानिक कृत्यों का मुकाबला किया जा सके और धोखेबाज पाखंडियों द्वारा शोषण को रोका जा सके।प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की तीन सदस्यीय पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि अंधविश्वास को खत्म करने का समाधान न्यायिक आदेशों के बजाय शिक्षा में निहित है। पीठ ने कहा कि हम वैज्ञानिक सोच विकसित करने और अंधविश्वास को खत्म करने के लिए कदम उठाने के लिए रिट कैसे जारी कर सकते हैं। संविधान के संस्थापकों ने यह सब राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में शामिल किया था। सीजेआई ने कहा कि यह शिक्षा के बारे में भी है और धारणा यह है कि आप जितना अधिक शिक्षित होंगे, आपका रुझान इन पर नहीं होगा। लेकिन अदालत वैज्ञानिक सोच बढ़ाने का निर्देश कैसे दे सकती है? सीजेआई ने कहा कि संविधान में राज्यों को अंधविश्वास मिटाने और वैज्ञानिक सोच विकसित करने का निर्देश है। सीजेआई ने कहा कि ऐसी हजारों चीजें हैं, जो बच्चों को पाठ्यक्रम में सीखनी चाहिए। आप परिवार, दोस्तों आदि के जरिए बहुत कुछ सीखते हैं। संसद हस्तक्षेप कर सकती है और व्यापक हितधारक परामर्श के बाद वैज्ञानिक स्वभाव के लिए एक कानून बना सकती है, लेकिन हम इसमें हस्तक्षेप के लिए तैयार नहीं है। पीठ द्वारा इस मामले पर विचार करने से इनकार करने के बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली। किसानों के समाधान के लिए बनाए जाने वाली समिति का नाम सुझाए हरियाणा और पंजाब- सुप्रीम कोर्ट ने शंभू सीमा पर प्रदर्शन कर रहे किसानों से उनकी मांगों का समाधान निकालने के लिए एक समिति के गठन के लिए हरियाणा और पंजाब दोनों से एक समान नाम सुझाने को कहा। अदालत का कहना है कि अंबाला के पास शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का उसका पहले का आदेश जारी रहेगा। बता दें, यहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं।

प्राकृतिक आपदा को लेकर खरगे की केंद्र से अपील, अतिरिक्त आपदा प्रबंधन निधि देने की मांग की

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश, जल-वायु परिवर्तन से जूझ रहा है, जहां बाढ़, भारी वर्षा, बादल फटना और कई राज्यों में सूखे जैसी आकस्मिक स्तिथि हो गई है। इसके लिए हमें ठोस नीति निर्माण कर, सभी की भागीदारी के साथ, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर कदम उठाने होंगे।देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार से एक मांग की। उन्होंने कहा कि के राज्यों को तुरंत अतिरिक्त आपदा इसके साथ ही उन्होंने आपदा प्रबंधन निपटने के लिए ठोस नीति बनाने उत्तराखंड में बादल फटने और भारी करने के बाद की। खरगे ने इसे लेकर किया।खरगे ने सोशल मीडिया पर खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

मोदी सरकार को बिना किसी भेदभाव प्रबंधन निधि प्रदान करनी चाहिए। और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से की भी अपील की। उन्होंने यह टिप्पणी बारिश से हुई नुकसान पर शोक व्यक्त सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी किया पोस्ट कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन एक्स पर हिंदी में पोस्ट किया। उन्होंने कहा, 卐उत्तराखंड में बादल फटने, बेहद भारी वर्षा व भूस्खलन से कई लोगों की मृत्यु का समाचार बेहद दुःखद है। जानकारी के मुताबिक, बहुत सारे लोग लापता हैं। इस मुश्किल घड़ी में हम उत्तराखंड के लोगों के साथ हैं। पीड़ितों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं और हमें भरोसा हैं कि सेना जो बचाव का कार्य कर रही उससे लोगों को सुरक्षा व राहत मिलेगी। सरकार एवं प्रशासन से आग्रह है कि अपनी जिम्मेदारी निभाए और पीड़ितों की मुआवजा सहित मदद करें।卐उन्होंने आगे कहा, 卐देश, जल-वायु परिवर्तन से जूझ रहा है, जहां बाढ़, भारी वर्षा, बादल फटना और कई राज्यों में सूखे जैसी आकस्मिक स्तिथि हो गई है। इसके लिए हमें ठोस नीति निर्माण कर, सभी की भागीदारी के साथ, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर कदम उठाने होंगे। हमें अपने आपदा-प्रबंधन को भी दुरुस्त करना होगा। इन सबके लिए सरकार की सकारात्मक पहल जरूरी है। साल दर साल हो रही इन प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए मोदी सरकार को बिना किसी भेदभाव के, राज्यों को अतिरिक्त आपदा प्रबंधन राशि तुरंत उपलब्ध करानी चाहिए। उत्तराखंड में बादल फटने और भारी बारिश के कारण अबतक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 10 से अधिक घायल हो गए।अधिकारियों ने बताया कि रात भर हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई। कई नदियां भी उफान पर आ गईं।

संपादकीय Editorial

‘Pralaya’ in Kerala

We have read and heard about the Pralaya. Whoever has seen and faced the Pralaya has not survived. The flood and devastation that came in Kedarnath Dham in 2013 or the flood that came after the earthquake in Uttarkashi, we considered them as Pralaya. Pralaya is another name for destruction and ruin. Now in Wayanad district of Kerala, three consecutive landslides occurred and then flood came, villages were buried, more than 400 houses turned into rubble in no time, about 200 people have died and the same number of people are reported missing, if this is not Pralaya, then what is it? This is not a natural calamity, but a man-made incident, because man is breaking the mountains for his pleasure. Buildings are being constructed even on the peaks of the mountains. In Kerala, the soldiers of the Army and NDRF seemed like ‘angels’ to us, who saved countless lives by pulling them out of the rubble. Although the geographical location of Kerala is different from the traditional mountains, 80-85 percent of the landslides across the country occur in Kerala. According to the Ministry of Earth Sciences, 3782 landslides occurred from 2015 to 2022. About 60 percent of them occurred in Kerala. Experts believe that due to the increase in the temperature of the Arabian Sea, very dense clouds were formed and due to this, Kerala received heavy rainfall in a short period of time. Wayanad is a hilly district and is a part of the Western Ghats. There are mountains up to 2100 meters high here. These mountains are very vulnerable to landslides during monsoon. Where this tragic incident happened, it had been raining for two weeks, so the soil of the mountain had become wet and loose. Therefore, 3 consecutive landslides occurred in a single night. The ground slipped. Houses started shaking. Mountains started cracking and falling. Roads and bridges started scattering and collapsing like a pack of cards. Climate change has also increased the rainfall conditions and the intensity of landslides. A research says that Wayanad, which used to be a cool, moist area with drizzle and monsoon rains throughout the year, has now become a dry, hot, but heavy, intense rain area during monsoon due to climate change. This change has increased the risk of landslides. There was a lot of rain in the monsoon of 2018 as well, then about 400 people lost their lives. After that, the area of ??landslides in Kerala has increased. There should be no politics on this accident, crisis or incident. Union Home Minister Amit Shah has given a statement in Parliament that he had sent a warning to the Kerala government on 23, 24, 25 July. Then on 26 July, warning of landslides and heavy rains, he expressed apprehension that many lives could be lost. Kerala Chief Minister Vijayan has denied such warnings. He says that the red alert was issued when the flood had already arrived. However, such allegations and counter-allegations should be avoided. There should be development in every state and every region of the country, but lessons should also be learnt from such incidents. Development work is also going on in countries like Japan and Taiwan. Mountains are being cut there too, but arrangements are also being made to avoid such accidents. Be it building a wall or planting trees or making some other arrangement, Japan has been a pioneer in this. Special types of nets have been installed to keep the mountains stable there. Better safety measures have been taken after cutting the slopes of the Tehri Dam in the state of Uttarakhand. Taiwan has done a different experiment by installing a pressure gauge on the mountain. This tells in time how much pressure is there on the mountain and it warns people about the mountain cracking.

Solution: Why is everyone in this city so worried? Cities need a public-private partnership policy

Heavy rains cause floods, but poor drainage, high levels of siltation, encroachment on rivers and other water bodies, destruction of wetlands in coastal cities and deforestation turn them into disasters. The country's cities need a new public-private partnership policy. Every monsoon reminds Mumbaikars of July 26, 2005, the day when a combination of terrible human error and nature unleashed a massive disaster. The disaster killed nearly a thousand people, caused massive damage to homes and livelihoods and left behind an untold trail of suffering. That disaster exposed all the fault lines of India's urbanisation - from planning to implementation, rights to accountability and spending to results. Almost two decades later, Mumbai once again found itself in crisis last week. While Mumbai was devastated by 900 mm rainfall in 2005, this year barely a third of that amount brought the city to a standstill. In Pune, once dubbed a 'smart city' and still a hub of many start-ups, two contingents of the Army had to be called in to rescue people. Many parts of the national capital Delhi are submerged in water, a testimony to the systemic lethargy. Rain-induced floods claimed the lives of three IAS aspirants as their basement library was flooded. The political blame game is an example of the bureaucracy and elected governments' lack of responsibility and casual attitude. It is not as if the causes of the floods have not been studied or the suggestions have not been followed. After the 2005 disaster, a committee was formed to ascertain the facts under the leadership of Madhav Chitale. In its conclusion, it cited heavy rains, obstruction of water flow due to non-removal of silt, non-implementation of disaster management plan, lack of communication and coordination, lack of accurate weather warnings and many other such reasons. In December 2005, the UPA government launched the Jawaharlal Nehru Urban Renewal Mission to encourage reforms and speed up planned development. The mission listed many ideas, but the word 'flood' did not find a place in it. After five years of repeated incidents, the National Disaster Management Authority recognized the crisis of urban flooding and made a list of 'do's and don'ts'. After this, many committees and commissions were formed, which also gave many prudent advices. But things did not change. A lot was said, but very little was done. Exactly a year ago, flood waters had entered the national capital. Every year, dozens of cities in the country are seen frightened due to administrative failure and natural fury as soon as the monsoon arrives. The government itself admitted that in the year 2021, more than 30 cities in five states of the country were affected by floods. In India, policy response is given only after the incident or disaster by looking at its consequences, the consideration of its cause is left for the future. In his first budget speech in July 2014, the then Finance Minister Arun Jaitley had raised a hope by shedding light on the situation. He had said, 'Unless new cities are developed according to the increasing population, the existing cities will soon become unlivable. The Prime Minister's dream is to develop 100 smart cities and modernize the existing medium-sized cities.' Flood prevention was not given priority in the Smart City Mission launched after the Jaitley budget. It is worth noting that under the Smart City Mission, more than 8,000 projects worth Rs 1.64 lakh crore have been funded in 100 cities, but there is no focus on floods. The AMRUT mission focuses only on addressing drainage deficiencies, but only 719 projects costing Rs 1,622 crore have been completed by 2023. Heavy rains cause flooding, but poor drainage, high levels of siltation, encroachment on rivers and other water bodies, destruction of wetlands in coastal cities and deforestation turn it into a disaster. Obviously, planning and satellite imaging of topography to ensure smooth drainage and protection of water bodies are crucial for prevention. Yet poor planning is not blamed for urban flooding, but nature is blamed. Floods occur every year and people pay the price for systemic lethargy. Expectations are so low that administrative failure is accepted as normal. Not surprisingly, tax proposals in every budget create outrage. People are expected to pay more taxes, but get very little in return. The frustration of the people is best expressed in Shahryar's lines, 'Why is every person troubled in this city?' Indian cities are caught between political apathy and systemic chaos. Generally, the power to formulate policy and the responsibility to implement it are separate. Policy making is with the Centre, while the responsibility of implementation is with the states. Historically, political parties in India have invested more in rural areas because rural India votes more. With rapid urbanisation in India, it is expected that by 2050, 40 crore people will be added to the urban population. Indian cities occupy only 3 per cent of the land, but contribute to 60 per cent of the GDP. Urbanisation is one of the nine priorities in the 2024 budget, but details are lacking. To prevent devastating floods, enable new expansion along connectivity corridors and new green cities, India needs a better funding policy with public-private partnerships. Consideration could be given to reinvesting some of the profits from the urban economy back into cities. The aspiration to achieve advanced economy status demands a review of political stances and economic policies.

Issue: Ninth Schedule of the Constitution and reservation, but will it solve the problem

Many parties want to include all the laws related to reservation in the Ninth Schedule to end the disputes, will it solve the problem? Many parties want to include all the laws related to reservation in the Ninth Schedule to end the disputes, will it solve the problem? On June 20, the Patna High Court accepted the petitions challenging the Bihar Reservation of Vacancies in Posts and Services (for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes) Amendment Act, 2023 and the Bihar Reservation (in Admission to Educational Institutions) Amendment Act, 2023 and held both the laws as violative of Articles 14 (equality), 15 (right against discrimination) and 16 (right against discrimination in employment) of the Constitution of India. Article 15(4) of the Constitution empowers the State to make special provisions for the advancement of any socially and educationally backward class of citizens or the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes. The crucial word in Articles 15 and 16 is 'only' - which means that if any religious, racial or caste group constitutes a 'weaker class' under Article 46, it shall be entitled to special provisions for its advancement. This special provision mainly means reservation. There has been frequent controversy over reservation in the country. Therefore, many political parties have been demanding inclusion of all laws related to reservation in the Ninth Schedule of the Constitution to end the recurring controversy over reservation forever. The 65 per cent reservation in Bihar violates the 50 per cent limit set by the apex court in the landmark Indra Sawhney vs Union of India judgment. However, placing a law in the Ninth Schedule can protect it from judicial scrutiny. The Tamil Nadu Backward Classes, Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Reservation of Seats in Educational Institutions and of Appointments or Posts in the Services under the State) Act, 1993, reserves 69 per cent seats in colleges and state government jobs. Tamil Nadu is the state with the highest reservation of 69 per cent and this provision is part of the Ninth Schedule of the Constitution. The Dravidian movement that emerged in the early 20th century was against the dominant community of the powerful landholding classes who occupied most of the positions of power. Former Chief Minister MG Ramachandran felt that reservation should be on economic basis, but then Chief Minister Jayalalitha led a delegation of various parties to meet the then Prime Minister PV Narasimha Rao and eventually got the reservation provision included in the Ninth Schedule. Although the Ninth Schedule was also challenged in the year 2007 (I R Coelho vs State of Tamil Nadu), the Supreme Court unanimously ruled on the basis of nine judges that the laws placed under the Ninth Schedule cannot be challenged on the ground of violation of fundamental rights, but they can be challenged on the ground of violating the basic structure of the Constitution. The Ninth Schedule lists central and state laws that cannot be challenged in courts. Currently 284 laws are protected from judicial review. In the year 2023, the Chhattisgarh government had increased the scope of 58 percent reservation to 72 percent in the state. The High Court put a stay on this. After this, the Chief Minister of Chhattisgarh has written a letter to the Prime Minister demanding the inclusion of two amendment bills providing higher quota in jobs and educational institutions in the Ninth Schedule of the Constitution. Similarly, the Jharkhand government had passed a bill in the Assembly, which was related to increasing the reservation in vacant government posts and services in the state to 77 percent. However, this bill could not be implemented and the Chief Minister of Jharkhand recommended the Center to include this bill in the Ninth Schedule of the Constitution. After the implementation of reservation on economic basis, a new kind of debate has started on reservation policies, such as ending the scope of reservation and making EWS caste neutral and including all castes and classes in it etc. If this does not happen, then many types of social and political conflicts will arise in the country, so the central government needs to think on this subject.

डाक कांवड़ ओवरटेक करने पर कांवड़ियों में मारपीट, वाहन में तोड़फोड़ के बाद पथराव, हंगामे में पांच घायल

मुरादाबाद- अमरोहा में कांवड़ियों के दो गुटों के बीच मारपीट हो गई। जमकर हंगामे के बाद मौके पर पथराव हो गया। इसमें पांच कांवड़िये घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए ले जाया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच स्थिति संभाली।

डाक कावड़ ओवरटेक करने की कोशिश को लेकर हुई कहासुनी के बाद कांवड़ियों में विवाद बढ़ गया। वाहन में तोड़फोड़ करते हुए मारपीट की गई। पथराव किया गया। इसमें वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और पांच का शिवभक्त घायल हो गए। गुस्साए कांवड़ियों पर रास्ते पर जाम लगा दिया। इसमें से एक शिभक्त को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। नाराज शिवभक्तों ने थाने पहुंचकर जमकर हंगामा किया। पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है।बताते हैं कि जनपद संभल के गुन्नौर तहसील के गांव जहानपुर के द्वितीय यदुवंशी डाक कांवड़ समिति के बैनर तले सैकड़ों की तादाद में शिव भक्त हरिद्वार से डाक कावड़ लेकर अपने गंतव्य की तरफ तेजी के साथ बढ़ रहे थे। रहरा थाना क्षेत्र के गांव चंदनपुर के नजदीक एक और जत्था ओवरटेक करने की कोशिश करने लगा। इसी को लेकर कहासुनी हो गई। जहानपुर के रहने वाले शिव भक्त दौलत राम और प्रेमपाल का कहना है कि दूसरे शिवभक्तों ने आगे जाकर रोड पर जाम लगा दिया और रास्ता रोककर वहां पर पथराव शुरू कर दिया। मारपीट की गई। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। मारपीट में एक कांवड़ खंडित हो गई। शिव भक्तों का कहना है कि यह सब रहरा पुलिस की मौजूदगी में हुआ। आरोपी हमला कर फरार हो गए। पथराव में जहानपुर के शिव भक्तों का वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। उनके बेड़े में शामिल शिव भक्त अभिषेक, राजकुमार, उपेंद्र,अवधेश समेत पांच शिवभक्त घायल हो गए। इसमें राजकुमार को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार चल रहा है। नाराज शिवभक्तों ने रहरा थाने पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर सीओ मौके पर पहुंच गए और शिव भक्तों को समझाकर शांत कराया। सीओ दीप कुमार पंत का कहना है कि मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सरकारी व्यवस्था का आलम: मुरादाबाद के नौ दफ्तरों में छापा, गायब मिले 19 अधिकारी व कर्मचारी... सबका रुकेगा वेतन

मुरादाबाद- मुरादाबाद में सरकारी विभागों का हाल बेहाल है। इसका खुलासा डीएम के निर्देश पर मारे गए छापेमारी में हुआ है। जांच में विभिन्न विभागों के 19 कर्मचारी और अधिकारी ड्यूटी से गायब मिले। अब सभी का वेतन रोक दिया गया है। मुरादाबाद डीएम के निर्देश पर रजिस्ट्री, आरटीओ, शिक्षा विभाग सहित नौ कार्यालयों में हाजिरी जांचने के लिए अधिकारियों ने छापा मारा। जांच के दौरान 19 अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। तहसील सदर और नगर पंचायत अगवानपुर में एक-एक बाहरी व्यक्ति काम करते मिला। डीएम ने कहा कि गैरहाजिर अधिकारी-कर्मचारियों का वेतन रोका जाएगा। सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। डीएम अनुज सिंह ने सीडीओ सुमित यादव, एडीएम सिटी, एडीएम प्रशासन सहित अन्य अधिकारियों के नेतृत्व में टीम गठित कर बृहस्पतिवार की सुबह कार्यालयों में उपस्थिति जांचने के निर्देश दिए।टीम ने संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय, तहसील सदर, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय, नगर पंचायत अगवानपुर, वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा कार्यालय, उप निबंधक प्रथम व द्वितीय, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम एवं द्वितीय, जिला अस्पताल तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया। नगर पंचायत अगवानपुर में निरीक्षण के दौरान लेखराज नाम का बाहरी व्यक्ति कार्यालय में उपस्थित पाया गया।

साथ ही तहसील सदर में जरीफ अहमद नाम का व्यक्ति मिला। संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में क्षेत्रीय निरीक्षक तकनीकी अजय तिवारी गैर हाजिर मिले और बेसिक शिक्षा कार्यालय में वित्त एवं लेखाधिकारी भी निरीक्षण के दौरान मौके पर नहीं मिले। अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम एवं द्वितीय से संबंधित कार्यालय में असिस्टेंट अकाउंटेंट राशि औलख, कार्यकारी सहायक पवन कुमार, चंद्रशेखर भटनागर, अंकुर शर्मा, विकास यादव, गुलशन प्रकाश, गार्गी सहायक और टेक्नीशियन ग्रेड-2 हरीश कुमार अनुपस्थित मिले। वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट अजीजुर्रहीम, डेटा कम अकाउंट असिस्टेंट सचिन कुमार, अरशद कमाल, विनीत कुमार, मीनाक्षी शर्मा, मुनिश फल, करन सिंह और हरप्रकाश अनुपस्थित पाए गए। सरकारी काम में बाहरी व्यक्ति का दखल बर्दाश्त नहीं- डीएम ने बताया कि बाहरी व्यक्तियों संबंध में प्रभारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी। शासन का निर्देश है कि किसी भी रूप में सरकारी कार्यों में बाहरी व्यक्ति का दखल नहीं होना चाहिए। कर्मचारी और धिकारी समय से अपने कार्यालय में उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। दोबारा निरीक्षण के दौरान अव्यवस्था मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रक्षाबंधन से 18 दिन पहले ही रानीखेत और श्रमजीवी में सभी सीटें फुल, अधिकांश में मिल रहा वेटिंग टिकट

मुरादाबाद- रक्षाबंधन के 18 दिन पहले से अधिकांश ट्रेनों में सीटें फुल हो गई है। कई ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कुछ ट्रेनों में अभी भी सीटें उपलब्ध हैं। ट्रेनों में स्पेशल कोच भी जोड़े जा रहे हैं। जिससे की यात्रियों को परेशानी न हो। रक्षाबंधन से 18 दिन पहले ही मुख्य रूटों पर ज्यादातर ट्रेनों में सीटें फुल हो गई हैं। 17 व 18 अगस्त को रानीखेत, श्रमजीवी, पद्मावत, काशी विश्वनाथ, लखनऊ मेल आदि महत्वपूर्ण ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट है। लखनऊ, पंजाब, दिल्ली, बनारस, मेरठ आदि शहरों को जाने के लिए कंफर्म टिकट की किल्लत होने लगी है। बेहद कम ट्रेनों में ही विकल्प उपलब्ध हैं। इनमें भी वंदे भारत, डबल डेकर, राजधानी एक्सप्रेस आदि ट्रेनें शामिल हैं। मुरादाबाद स्टेशन से 18 व 19 अगस्त के लिए विभिन्न ट्रेनों में करीब 2200 लोगों की बुकिंग है। इसके अलावा जनरल टिकट पर यात्रा करने वाले पैसेंजर भी रहेंगे।रक्षाबंधन पर मुरादाबाद से ज्यादातर यात्री दिल्ली, मेरठ, बरेली, लखनऊ, बनारस, शाहजहांपुर, नजीबाबाद, हरिद्वार आदि जाने के लिए बुकिंग कराते हैं। जिन ट्रेनों में विकल्प उपलब्ध हैं, उनके आने का समय रात या भोर में है, जबकि अधिकांश यात्री दिन में आठ बजे के बाद की ट्रेनें तलाश कर रहे हैं। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि कुछ ट्रेनों में सभी क्लास में सीटें उपलब्ध हैं। ट्रेनों में स्पेशल कोच भी जोड़े जा रहे हैं। लखनऊ के लिए -ट्रेन नंबर ट्रेन का नाम- 22546 वंदेभारत एक्सप्रेस, 15715 गरीब नवाज एक्सप्रेस, 15012 चंडीगढ़-लखनऊ एक्सप्रेस, 12584 डबल डेकर एक्सप्रेस, 04652 क्लोन एक्सप्रेस, दिल्ली के लिए - ट्रेन नंबर ट्रेन का नाम, 04652 क्लोन एक्सप्रेस, 14315 इंटरसिटी एक्सप्रेस, 14321 आला हजरत एक्सप्रेस,20503 राजधानी एक्सप्रेस, 22419 सुहेलदेव एक्सप्रेस

संक्षिप्त समाचार

कांवड़ियों पर दूसरे समुदाय के लोगों ने किया पथराव, दरोगा व छह कांवड़िये चोटिल... पुलिस तैनात

बिलारी में कांवड़ियों पर दूसरे समुदाय के लोगों ने पथराव कर दिया। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। पथराव में दरोगा समेत छह लोग जख्मी हो गए। इलाके में भारी पुलिस बल को तैनात

किया गया है।बिलारी थाने के नौसेना गांव में शिव मंदिर होकर जा रहे कांवड़ियों पर दूसरे समुदाय के लोगों ने पथराव किया। इसमें दरोगा और सिपाही के अलावा छह कांवड़ियों को चोटें आई हैं। देर रात हुई घटना के बाद गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। रात में सभी कांवड़ियों को सुरक्षित नौसेना गांव के परिषदीय प्राइमरी स्कूल में ठहराया गया। शुक्रवार सुबह फोर्स की मौजूदगी में कांवड़ियों ने शिव मंदिर पर जलाभिषेक किया। इसके बाद वह घरों को लौट आए। कांवड़ियों पर पथराव की घटना के मामले में थाना बिलारी के दरोगा रवि प्रकाश ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।इसमें दूसरे समुदाय के 32 नामजद और 20 अज्ञात के केस दर्ज किया गया है। उन पर एक राय होकर पथराव करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप है। नौसेना गांव में थाना प्रभारी समेत पुलिस फोर्स तैनात है। बताया जाता है कि गांव में शिव मंदिर और मस्जिद के बीच लगभग 100 मीटर की दूरी है। पुलिस ने नामजद में से कई को हिरासत में लिया है। आरोपियों में प्रधान का बेटा फारुक खान और आंगनबाड़ी वर्कर मलका भी शामिल है।

सीए हत्याकांड में लालित कौशिक समेत चार आरोपियों पर लगी गैंगस्टर

मुरादाबाद- सीए श्वेताभ तिवारी हत्याकांड के चार आरोपियों पर मझोला पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई की है। थाना मझोला प्रभारी निरीक्षक केके वर्मा की ओर से इस मामले में सरगना विकास शर्मा उर्फ गुग्गू, मूंढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक, शूटर केशव सरन शर्मा और सहयोगी खुशवंत उर्फ भीम के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना सिविल लाइंस क्षेत्र की रामगंगा विहार साईं गार्डन कालोनी निवासी सीए श्वेताभ तिवारी दिल्ली रोड मझोला स्थित बंसल कॉम्पलेक्स में अपना कार्यालय चलाते थे। 15 फरवरी 2023 को रात लगभग नौ बजे वह कार्यालय से घर के लिए निकले थे, इसी बीच बाइक सवार दो बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर उनकी हत्या कर दी थी। 31 मार्च 2023 को मझोला पुलिस ने पाकबड़ा के गांव गिदौड़ा निवासी शूटर केशवर सरन शर्मा और कोतवाली के रेती स्ट्रीट निवासी मास्टर माइंटर विकास शर्मा उर्फ गुग्गू को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया था। इस हत्याकांड से पूरे महानगर में हड़कंप मच गया था। व्यापारियों और प्रतिष्ठित कारोबारियों में भय व्याप्त हो गया था। इसी के चलते एसएचओ मझोला की ओर से आरोपियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई के लिए पत्रावली तैयार कर जिलाधिकारी के पास भेजी थी। जहां से गैंगचार्ट अनुमोदित होने के बाद अब मझोला पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की रिपोर्ट दर्ज की। यह मुकदमा एसएचओ केके वर्मा की ओर से दर्ज कराया गया है। जिसमें गिरोह के सरगना विकास शर्मा उर्फ गुग्गू, मूंढापांडे के पूर्व ब्लॉक प्रमुख ललित कौशिक, पाकबड़ा के गांव गिंदौड़ा निवासी शूटर केशव सरन शर्मा और भोजपुर के गांव हुमायूपुर निवासी उसके सहयोगी खुशवंत उर्फ भीम को आरोपी बनाया गया है। रिपोर्ट में प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि विकास शर्मा उर्फ गुग्गू सुनियोजित तरीके से गिरोह बनाकर हत्या की वारदातें कराके अवैध रूप से धन अर्जित करता है। यह भी बताया है कि विकास शर्मा उर्फ गुग्गू पर एक, केशव सरन शर्मा पर आठ, ललित कौशिक पर 14 और खुशवंत उर्फ भीम पर सात मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। जिनमें से विकास शर्मा को छोड़कर तीनों आरोपी जेल में है। एसएचओ ने बताया कि आरोपी विकास शर्मा उर्फ गुग्गू की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

मूंढापांडे हवाई अड्डे से विमानों की उड़ान को अभी करना पड़ेगा इंतजार

लखनऊ के लिए विमान सेवा की शुरूआत कराने में जुटे हैं हवाई अड्डा प्राधिकरण व विमान सेवा प्रदाता कंपनी के अधिकारी

मुरादाबाद- 10 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों वर्चुअल लोकार्पण के बाद भी मुरादाबाद के भदासना स्थित हवाई अड्डे से विमान सेवा की उम्मीद अभी सपना है। विमानन कंपनी फ्लाई बिग और हवाई अड्डा प्राधिकरण के अधिकारी पहले देहरादून से उड़ान शुरू करने की बात कर रहे थे पर अब पहले चरण में लखनऊ की सेवा शुरू कराने के प्रयास में जुटने का दावा कर रहे हैं। हालांकि अभी भी तारीख फाइनल नहीं हो पाई है। लोकसभा आयोजित जनसभा में वहां के एयरपोर्ट के साथ लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने इस साल एक विमान आने और फिर वापस जाने की बात निराशा हुई थी। इसके बाद 17 जुलाई को विमान भेजने की बात विमान सेवा प्रदाता कंपनी की दिया गया। अब लखनऊ से विमान सेवा शुरू तारीख तय नहीं है। फ्यूल स्टेशन न होना बनी है उड़ान शुरू होने के लिए सबसे जरूरी फ्यूल हो पाई है। जिससे विमानों की उड़ान शुरू होने में तय होने की बात सामने आने के बाद फिर कंपनी स्थिति और विशेषताएं- स्वामित्व - एयरपोर्ट बिग उद्घाटन - 10 मार्च 2024 कुल क्षेत्रफल - वर्ग मीटर व्यस्ततम समय में सेवा क्षमता- 100 काउंटर- 4 कन्वेयर बेल्ट- 9एक्स बीआईएस पार्किंग वे- 2 पार्किंग क्षमता -100 कारों के सीटर मूंढापांडे के भदासना हवाई अड्डे से विमान सेवा शुरू कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। पहले लखनऊ की उड़ान होगी। लेकिन इसमें बाधा फ्यूल स्टेशन की स्थापना न होना है। इसके लिए आपत्तियों के निस्तारण व अन्य औपचारिकता पूरी कराई जा रही है। क्योंकि विमान की उड़ान के लिए ईंधन होना चाहिए। अभी कोई तारीख निश्चित नहीं है। जैसे ही सभी प्रबंध पूरे हो जाएंगे इसके बाद तारीख तय कर जानकारी दी जाएगी।-शिवानी जैन, महाप्रबंधक, विमान सेवा प्रदाता कंपनी फ्लाई बिग

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

हिंदू युवा वाहिनी जिला शामली के पदाधिकारी ने हवन करने के उपरांत कावड़ियों को फल और जूस आदि वितरण किया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली हिंदू युवा वाहिनी के नागेंद्र प्रताप सिंह तोमर नीवर्तमान प्रदेश मंत्री के निर्देशन पर हिंदू युवा वाहिनी जिला शामली के पदाधिकारीयो ने भूरा गांव में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में कावड़ शिविर लगाया उसके उपरांत पंडित जी द्वारा यज्ञ हवन वैदिक मंत्र द्वारा अरविंद कौशिक नी0 जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में संपन्न कराया गया सभी कावड़िया में केला फ्रूटी प्रसाद के रूप में वितरण किया जिसमें हिंदू युवा वाहिनी के अरविंद कौशिक नीश जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष , अजीत श्रीवास्तव नीश जिला संगठन मंत्री सुमित कौशिक शामली जिला सदस्य ,नितिन शर्मा कैराना ब्लॉक प्रभारी, प्रवीण शर्मा कैराना वरिष्ठ ब्लॉक प्रभारी संजीव कुमार कैराना ब्लॉक अध्यक्ष विपिन उर्फ वरुण शर्मा कैराना ब्लॉक महामंत्री राजेश सिंह कैराना ब्लॉक संयोजक जगपाल सिंह कैराना ब्लॉक सह प्रभारी सुमित जांगिड़ कैराना ब्लॉक उपाध्यक्षअंकित शर्मा कैराना ब्लॉक मंत्री अंकित जांगिड़ कैराना ब्लॉक मंत्री कुलदीप कुमार कैराना ब्लॉक मंत्री डॉ सौरभ चौहान कैराना ब्लॉक उपाध्यक्ष अनिल चौहान कैराना ब्लॉक मंत्रीआशीष शर्मा कैराना ब्लॉक सदस्य अमन जांगिड़ कैराना ब्लॉक सदस्य वीर सेन चौहान कैराना ब्लॉक सदस्य आदि मौजूद रहे

एटा में मकान में सोए परिवार के चार सदस्यों की दबने से मौत, दादी से लिपटी मिली बच्ची; दृश्य देख कांप गए लोग

उत्तर प्रदेश के एटा जिले में बारिश की वजह से एक मकान की छत गिर गई। इसके मलबे में दबकर एक ही परिवार की वृद्ध महिला और तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई। वहीं दो मासूम बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें मलबे से निकालने के बाद तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

जब मलबा हटाया गया तो 11 वर्षीय बच्ची अपनी दादी से लिपटी हुई मिली। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। थाना जैथरा के गांव कूपपुरा निवासी रामगोपाल किसान हैं। घटना गुरुवार रात 8.30 बजे की है। रामगोपाल और उसकी पत्नी आंगन में सो रहे थे, जबकि उनकी बुजुर्ग मां होशियारश्री (64), तीन बेटियां सपना (16), जूली (13) और अंशिका (11) के साथ दोनों बेटे शिवा और आनंद कमरे में सो रहे थे। रात के अचानक की कमरे की छत भरभराकर गिर गई। छत गिरते ही तेज धमाका हुआ, जिसे सुनकर ग्रामीण रामगोपाल के घर की तरफ दौड़ लिए। वहां का दृश्य देख लोग कांप गए। आनन-फानन में मलबे को हटाना शुरू कर दिया गया। मलबे में रामगोपाल की मां के साथ उसकी तीन बेटियां और दोनों बेटे दब गए थे। लोगों की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तत्काल ही ग्रामीणों की सहायता से मलबा को हटाना शुरू कर दिया। मलबे में पहले एक ही चारपाई पर दादी और अंशिका की लाश मिली। दोनों एक दूसरे से लिपटे हुए थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मानो दादी ने उसे बचाने के लिए आंचल में समेट लिया हो। वहीं सपना और जूली के साथ दोनों बेटे गंभीर रूप से घायल मिले। घायलों को उपचार के लिए तत्काल ही अस्पताल भेजा गया। यहां इलाज के लिए ले जाते समय सपना और जूली ने दम तोड़ दिया। वहीं शिवा और आनंद अस्पताल में भर्ती हैं।रात में ही मौके पर डीएम प्रेम रंजन सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्याम नारायण सिंह सहित आला अधिकारी पहुंच गए थे।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल द्वारा निशुल्क कावड़ चिकित्सा सेवा शिविर का समापन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल द्वारा हनुमान टीला पर चलाए जा रहे निशुल्क कावड़ चिकित्सा सेवा शिविर के आठवें दिन शिविर का समापन किया गया। संचालित निशुल्क चिकित्सा सेवा शिविर में आज के मुख्य अतिथि सुरेश राणा पूर्व केबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, रविन्द्र सिंह डीएम शामली, सन्तोष सिंह एडीएम शामली, सलील द्विवेदी अध्यक्ष हनुमान टीला हनुमान धाम शामली, अरविंद दृष्टा जी कथा व्यास, नवीन मक्कड़ प्रांतीय महामंत्री उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल पंजी शामली, श्याम सिंह सीओ सिटी शामली, समय सिंह अत्री थानाध्यक्ष कोतवाली शामली, अशोक बंसल चेयरमैन सेंट

प्रमुख समाजसेवी एवं उद्योगपति, यशपाल पवार आर सी कॉन्वेंट स्कूल कैराना रहे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि कांवड़ियों की सेवा करने से भगवान प्रसन्न होते हैं यह बहुत ही पुण्य का कार्य है शामली जनपद में सबसे ज्यादा सेवा यहां के लोगों के द्वारा भोलो की जाती है। आने वाले समय में शामली जनपद प्रदेश का नंबर 1 विकसित जनपद कहलाएगा। जिलाधिकारी रविंद्र सिंह ने कहा कि प्रशासन का कार्य भी आपके शिविर के सहयोग से ही पूर्ण हो पाता है। कावड़िये बहुत ही श्रद्धा भक्ति से अपनी कावड़ लेकर आते हैं और शामली से होकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं उनका स्वागत सत्कार करने के लिए पूरी शामली की जनता इसके लिए बधाई की पात्र हैं। अपर जिलाधिकारी संतोष सिंह ने कहा कि हम लोग भी लगातार दिन-रात आप ही की तरह सेवा कार्यों में जुड़े हैं। प्रदेश महामंत्री नवीन मक्कड़ ने भी शामली के सभी व्यापारियों को इसके लिए धन्यवाद दिया प्रदेश उपाध्यक्ष अंकित गोयल ने कहा कि शामली में भगवान की विशेष कृपा है।इसीलिए यहां के लोग ज्यादा से ज्यादा धार्मिक आयोजन में भाग लेते हैं। कार्यक्रम संयोजक जिला महामंत्री संजीव कुमार प्रजापति ने बताया की शिविर मे अब तक हजारों भोलो उपचार किया जा चुका और सभी डॉक्टर्स नीमा संगठन (नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन) डॉ भूपेंद्र सिंह डॉ मुकुट मोहन सिंघल डॉ सतीश शर्मा डॉ हरेंद्र पंवार डॉ सतीश गर्ग डॉ जगमोहन सिंघल डॉ सूबे सिंह डॉ रजत पवार डॉ भूषण जिंदल डॉ संगीता जिंदल डॉ राजकुमार चौधरी डॉ शिल्पी गुप्ता डॉ पूनम सिंघल डॉ मधुर गोपाल डॉ मंजू रानी डॉ उषा शर्मा सभी डॉक्टर्स ने अपना क्लीनिक छोड़कर भोलो की सेवा दवाई के द्वारा एक्यूप्रेशर और न्यूरोथ्रेपी से उपचार किया है। सभी का आभार व्यक्त किया ओर फार्मासिस्ट टीम मनीष कुमार, निखिल कुमार, मोहित कुमार, आकाश सैनी, विकास कुमार, वरुण कुमार, श्रवण शर्मा, शिवम काश्यप, राकेश कुमार, मुकेश वर्मा योगाचार्य सभी ने भोलो मरहम पट्टी, छालों, ओर पैरो मे चोट तथा मालिश का कार्य 24 घंटे शिविर मे किया है। सभी टीम का भी आभार व्यक्त किया ओर सहयोगी संस्था लायंस क्लब सम्राट शामली विश्व हिंदू परिषद का भी आभार प्रकट किया। सभी मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनुराग शर्मा अध्यापक वी वी एंटर कालेज शामली ने किया। इस अवसर पर मुख्य , अनुराग जैन जिला अध्यक्ष,राहुल गोयल सचिव, महामंत्री संजय गोयल,अनिल भार्गव नगर अध्यक्ष, नगर महामंत्री श्याम सिंह, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार,संजय गोयल रामप्रसाद , अशोक बालियान विनोद कुमार, दीपक गुप्ता, राजकुमार जैन, संजय शर्मा, परमोद शर्मा वीणा अग्रवाल अनिता बंसल सुनील कुमार आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

सिपाही भर्ती परीक्षा में लागू होगा एंटी पेपर लीक कानून; पिछली बार परीक्षा के समय पहुंचे थे उत्तर

आईपीएस संजीव सिंघल के अध्यक्ष काल में पिछले साल हुई बिहार पुलिस सिपाही भर्ती के दौरान परीक्षा भवन में प्रश्नपत्र के साथ उत्तर भी पहुंच गए थे। नए अध्यक्ष ने इस बार की परीक्षा में एंटी पेपर लीक कानून के लागू होने की बात कही है।दूध का जला छाछ भी फूंक कर पीता है... कुछ इसी तर्ज पर इस बार बिहार में सिपाही भर्ती परीक्षा ली जाएगी। सिपाही भर्ती परीक्षा में वही कानून लागू होगा, जो पिछले महीने बिहार विधानमंडल से पास हुआ है- एंटी पेपर लीक कानून। रिटायरमेंट के बाद केंद्रीय चयन (सिपाही भर्ती) पर्षद के अध्यक्ष बनाए गए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी संजीव कुमार सिंघल के राज में पिछले साल परीक्षा शुरू हुई तो प्रश्नपत्र मिला। दूसरे परीक्षार्थी की जगह परीक्षा देने वाले भी तत्कालीन अध्यक्ष एसके सिंघल ने इन सभी बातों को गया और अंततः तीन अक्टूबर को आदेश आया कि ली नीतीश कुमार ने डीजी शोभा ओहटकर को जिम्मेदारी (सिपाही भर्ती) पर्षद के अध्यक्ष के रूप में इसकी तैयारी परीक्षा में भी एंटी पेपर लीक कानून लागू होगा।परीक्षा 11, 18, 21, 25 और 28 अगस्त 2024 को आयोजित परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रत्येक दिन एक पाली में रहेगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर सुबह साढ़े नौ बजे

का हल तैयार होकर परीक्षा भवन में पहुंचा मिला था। एक नहीं, कई जगह पकड़े गए। इतनी तरह की गड़बड़ी सामने आई, लेकिन केंद्रीय चयन पर्षद के नकारते हुए कोई कार्रवाई नहीं की। मामला आर्थिक अपराध शाखा के पास जा चुकी परीक्षा रद्द हो गई है और आगे वाली स्थगित। उसके बाद सीएम दी, वह भी परीक्षा नहीं ले सकीं। अब आईपीएस जितेंद्र कुमार ने केंद्रीय चयन रखी है। एडमिट कार्ड जारी हो चुके। शुक्रवार को उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस अगले हफ्ते से शुरू हो रही बिहार पुलिस सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा 7, की जाएगी। लिखित परीक्षा ओएमआर शीट पर होगी। छह पालियों में यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय दोपहर 12 बजे से दो बजे तक रिपोर्ट करना होगा। परीक्षा केंद्र में प्रवेश सुबह साढ़े 10 बजे बंद कर दिया जाएगा। प्रवेश से पूर्व उनकी DFMD/ HHMD तथा जिला पुलिस के प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों द्वारा चेकिंग की जाएगी। परीक्षा 12:00 बजे से 02:00 बजे तक होगी।पेन, पेन्सिल भी नहीं ले जा सकते हैं अभ्यर्थियों की पहचान के लिए पर्षद द्वारा निर्गत ई-प्रवेश पत्र एवं उनके पहचान-पत्र (आधार कार्ड, मतदाता पहचान-पत्र आदि) के साथ ही प्रवेश की अनुमति होगी। परीक्षा कक्ष में उनके दोनों हाथों के अंगूठे का निशान, फोटो एवं शॉर्ट वीडियो लिये जाएंगे। जिनका उपयोग उनकी तत्समय पहचान तथा चयन के अगले चरणों में पहचान करने तथा पररूपधारण की संभावना को नकारने के लिए किया जाएगा। अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र में किसी प्रकार की लेखन सामग्री यथा पेन, पेन्सिल आदि तथा कोई अन्य वस्तु नहीं ले जा सकेंगे। ओएमआर शीट भरने एवं अन्य लेखन कार्य के लिए उन्हें पेन प्रश्न-पुस्तिका के साथ ही उपलब्ध कराया जाएगा। किसी के भी झांसे में नहीं आएं- सभी अभ्यर्थियों को आगाह किया जाता है कि वे सोशल मीडिया एवं अन्य किसी माध्यम से दुष्प्रचार अथवा झांसे में न आएं। यह एक प्रकार से साईबर फ्रॉड कर अवैध वसूली का माध्यम हो सकता है, इसकी सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाना अथवा साईबर थाना को दें। पर्षद के स्तर से किसी भी अभ्यर्थी को दूरभाष या मोबाईल अथवा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्तिगत सम्पर्क नहीं किया जाता है। पर्षद एवं अभ्यर्थियों के बीच संवाद का माध्यम केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), बिहार की वेबसाईट अथवा अभ्यर्थियों के आवेदन में रजिस्टर्ड ई-मेल या मोबाईल नंबर पर प्री-रिकार्डेड ग्रुप संवाद ही हैं। इसके अतिरिक्त यदि किसी अन्य स्वरूप में उनसे कोई सम्पर्क करता है तो वे इसकी सूचना थाना को दें। साइबर सेल कर रही है निगरानी- पर्षद, पुलिस मुख्यालय एवं राज्य सरकार द्वारा परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। राज्य के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक के स्तर से सभी जिला पदाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक कर उन्हें कड़ाई से स्वच्छ परीक्षा सम्पादन के लिए निदेशित किया गया है। साइबर थाना एवं आर्थिक अपराध इकाई के स्तर से सोशल मीडिया आदि पर परीक्षा से संबंधित निगरानी प्रारम्भ की जा चुकी है और संदिग्ध बातों अथवा व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है। पर्षद द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर स्वच्छतापूर्ण परीक्षा के लिए व्यापक व्यवस्थाएँ की गई हैं. जिसमें प्रत्येक कक्ष एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीव से निगरानी की जाएगी जिसकी लाईव फीड पर्षद मुख्यालय के नियंत्रण कक्ष को प्राप्त होगी तथा प्रत्येक कक्ष में जैमर अधिष्ठापित किये गये हैं जो स्त्र एवं Wi-fi के सिग्नल को भी जैम करने की क्षमता रखते हैं। साथ ही केन्द्राधीक्षकों से सीधे संवाद के लिए Hotline के रूप में विशेष फोन भी लगाए गए हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

APF नेपाल और सशस्त्र सीमा बल के बीच वॉलीबॉल मैत्री खेल प्रतियोगिता का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। कमांडेंट 62वीं वाहिनी के दिशा निर्देशन में समवाय ककरदरी कैम्प प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में समवाय ककरदरी कैंप में नेपाल क्क्न एवं %एफ% समवाय ककरदरी के जवानों के बीच मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस दौरान सर्वप्रथम मैच की शुरुआत निरीक्षक मनीष कुमार के द्वारा दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के पश्चात खेल प्रारम्भ किया गया। इस मैच में एसएसबी ने नेपाल क्क्न के खिलाडियों को कड़ी टक्कर देते हुए 2-1 से विजयी रही। इस अवसर पर समवाय ककरदरी से निरीक्षक मनीष कुमार के साथ अन्य जवान और नेपाल क्क्न जवान के उपस्थित रहे।

श्री मुक्तेश्वर महादेव शिव मन्दिर सतीवाला शिवालय पर 40 वां वार्षिक सावन उत्सव तथा विशाल भंडारे का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। जय बाबा मुक्तेश्वर महादेव। आप सभी को जानकर अति हर्ष होगा कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बाबा भोलेनाथ जी का चालीसवाँ वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में दिनांक 2 अगस्त दिन शुक्रवार को बाबा के मंदिर का ध्वज पूजन सायं 05:00 बजे व आरती सायं 07:00 बजे बड़ी धूमधाम से होगी। व दिनांक 3 अगस्त दिन शनिवार को बाबा भोले नाथ जी का हवन पूजन सुबह 10:00 बजे जिसके मुख्य यजमान सचिन गोयल जी के द्वारा किया जायगा तथा एक विशाल भंडारे का आयोजन बाबा की इच्छा तक होगा। आप सभी हवन यज्ञ तथा भंडारे में सपरिवार उपस्थित हो एवं बाबा के विशाल भण्डारे में सहयोग तथा भंडारे का धर्म लाभ लें।

महा शिवरात्रि पर गुलजारी वाला शिव मन्दिर पर श्रद्धालुओ की लगी कतार

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। आज 2 अगस्त दिन शुक्रवार को महा शिवरात्रि पर्व बडी धूमधाम से मनाया गया। ज्योतिषियों के अनुसार आज जलाभिषेक का शुभ मुहूर्त प्रात 9 बजकर 35 मिनट पर माना गया। जो शाम 4 बजकर 2 मिनट तक रहा। इसके चलते महा शिवरात्रि पर गुलजारी वाला शिव मन्दिर पर श्रद्धालुओ की आज सुबह से ही लम्बी कतार लगनी शुरू हो गई। बच्चे, माताओं, नौजवानों सभी बाबा का जलाभिषेक करने के लिए अपनी बारी का इन्तज़ार करते हुए कतार में खड़े रहे। सभी ने जलाभिषेक कर धर्म लाभ उठाया। जलाभिषेक उपरान्त शाम 6 बजे बाबा को श्रृंगार कर बाबा की महा आरती की गई तथा प्रसाद ग्रहण किया।

भोले के जयघोष से गूंजा पुरा महादेव, छह लाख भक्तों ने किया जलाभिषेक... हेलिकॉप्टर से बरसे फूल

बागपत के पुरा महादेव मंदिर में गुरुवार को छह लाख से भी ज्यादा शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया। वहीं आज तीन बजे के बाद से लाखों श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। इसके लिए सुबह से ही लंबी लाइनें लगी रहीं। वहीं श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई।पुरा के परशुरामेश्वर महादेव मंदिर पर सुबह से ही कांवड़ियों का सैलाब उमड़ पड़ा। वहां सुबह से भगवान आशुतोष का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों व श्रद्धालुओं की चार किमी लंबी लाइन लगी रही। मंदिर में गुरुवार से अभी तक छह लाख से ज्यादा भक्तों ने जलाभिषेक किया। आज सुबह से ही शिवभक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। लाखों श्रद्धालुओं के जलाभिषेक करने की उम्मीद है। वहीं अधिकारियों ने हेलिकॉप्टर से जलाभिषेक करने वाले कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। पुरा महादेव मंदिर में चल रहे चार दिवसीय श्रावणी मेले में दूसरे दिन कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं आज शिवरात्रि के दिन मंदिर में त्रयोदशी का जलाभिषेक करने के लिए सुबह से लाइन लगनी शुरू हो गई थी। कांवड़ियों व श्रद्धालुओं की लाइन परशुराम खेड़ा तक पहुंच गई और वहां लाइन में लगने के बाद पांच घंटे में जलाभिषेक का नंबर आया।

छानी चमरसेना नहर पुल के बीच मे मिला युवक का शव

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) आज शुक्रवार को ग्राम छानी और चमर सेना नहर मे एक गिरे युवक का शव तेरता हुआ मिला जब खेतो मे आस पास के लोग कार्य कर रहे थे तो उन्हे नहर पुल मे एक शव दिखा और इसकी सूचना पुलिस को दी है मिली जानकारी मे ग्राम चांदनी निवासी सुनील पाठक के पुत्र बीती

बुधवार की रात मे कोंच से बाइक द्वारा शैलेंद्र के साथ उसका छोटा भाई पुष्पेंद्र पाठक भी अपने गाँव चाँदनी आ रहा था दोनो ही नशे मे थे बाइक चलाने को लेकर दोनो मे वाद विवाद हुआ वही उसका छोटा भाई पुष्पेंद्र उसे छोड़कर अपने घर चांदनी आ गया जब की शैलेंद्र महंत नगर स्थित चांदनी पुल के पास उसकी बाईक दिखी घर के लोगो ने जब पुष्पेंद्र से शैलेंद्र के बारे ले पूंछा तो उसने बताया की वह पुल के पास थे और वाईक भी वही खड़ी मिली रात मे ही इस शैलेंद्र की खोज की लेकिन नही मिला सुबह के समय जब पुलिस को सूचना मिली तो पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंची जांच पड़ताल की और नहर मे सर्च आपरेशन गोताखोर की मदद से चलाया गया आज सुबह के समय शैलेंद्र का शव ग्राम छानी और चमरसेना नहर के बीच मे किनारे पर पडा मिला आस पास के खेतो मे कार्य कर रहे लोगो ने जब यह शव देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी मौके पर कोतवाल अरुण कुमार राय दल बल के साथ पहुंचे और शव को नहर पुल से बाहर निकाला और मौके पर शव का पंच नामा भर का पोस्टमार्डम के लिये भेज दिया

आशीर्वाद होटल मे इन्वेंटकाल का शानदार आयोजन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) स्थानीय आशीर्वाद होटल कोंच में इवेंटकॉल का शानदार आयोजन किया गया और राहुल कश्यप और उनके टीम के द्वारा हुआ इस अवसर पर मुख्य अतिथि बृज बल्लभ सिंह सेंगर विशिष्ट अतिथि इंजीनियर राजीव रेजा एवं एसपी सिंह मंचासीन थे सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर इवेंट्स कॉल कार्यक्रम पारम्भ किया गया इवेंट्स कॉल के द्वारा कोंच उरई झांसी कानपुर लखनऊ भोपाल इत्यादि शहरों में वेडिंग कार्यक्रम का मैनेजमेंट राहुल कश्यप और उनकी टीम के द्वारा किया जाएगा इस अवसर पर मुख्य अतिथि बृजबल्लभ सिंह सेंगर ने कहा कि राहुल कश्यप के द्वारा जो मेहनत की गई आज उसका परिणाम है की इवेंट्स कॉल अपने देश के कई शहरों में सुविधा दे रहा है इस अवसर पर नगर पालिका परिषद कोच के ब्रांड एंबेसडर इंजीनियर राजीव कुमार रेजा ने कुछ संस्मरण सुनाते हुए कहा कि मेरे पुत्र की शादी में राहुल के द्वारा मेरे परिवार के सदस्यों को डांस की प्रैक्टिस कराई गई थी आज राहुल को इतने ऊंचे मुकाम पर देख कर मेरा मन बहुत प्रसन्न है निश्चित तौर पर मैं राहुल कश्यप उनकी पूरी टीम को हृदय से बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं कि वह इसी तरह से आगे बढ़े वही इंजीनियर राजीव रेजा ने कहा की बाग में फूल तो हजारों देखे पर गुलाब जैसा कोई नहीं इस भारत देश में इवेंट कॉल तो बहुत देखे पर राहुल कश्यप जैसा कोई नहीं वही इस अवसर पर एसपी सिंह ने भी अपने सारगर्भित उद्बोधन में इवेंट्स कॉल के स्वर्ण भविष्य की शुभकामनाएं दी अंत में राहुल कश्यप द्वारा मुख्य अतिथि बृजबल्लभ सिंह सेंगर विशिष्ट अतिथि इंजीनियर राजीव रेजा एवं एसपी सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया इस दोरान कई लोग मौजूद रहे

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

ग्राम सामी मे एसडीएम ज्योति सिंह ने लगाई जन चौपाल, गाँव वासियों की समस्याएं सुनी

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच विकास खंड के ग्राम सामी मे आज शुक्रवार को कोंच की एसडीएम ज्योति सिंह की अध्यक्ष ता मे जन चौपाल का आयोजन स्थानीय गाँव के पंचायत कार्यालय मे किया गया इस

जन चौपाल मे गाँव के लोगो ने अपनी अपनी समस्या औ से अबगत कराया और इस जन चौपाल मे अधिकतर गाँव वालो ने इस समय बिजली की सप्लाई और लो बोलतेज आने की समस्या बतलाई और कई गाँव के लोगो ने अपने अपने आवास की भी समस्या जन चौपाल मे सुनाई लोगो ने बताया है की आवास को लेकर पात्रता सूची मे नाम आने के बाद भी कोई प्रगति नही हो रही है गाँव मे साफ सफाई ठीक होती है गाँव के प्रधान आनंद पचौरी ने आये हुये अधिकारियों का स्वागत किया इस जन चौपाल मे तहसील दार बीरेंद्र प्रसाद गुप्ता नायाब तहसीलदार सुधीर कुमार सिंह सचिव बसीम खान कैलिया थानाध्यक्ष राजीव कुमार वेस बिजली विभाग से अवर अभियन्ता अंकित साहनी सप्लाई इंस्पेक्टर मनोज तिवारी लोक निर्माण विभाग से जे ई जय सिंह साहब सहित कई गाँव वासी मौजूद रहे

बर्फ फेक्ट्री के बगल मे पड़े प्लाट मे मिला युवक की लाश

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) नगर उरई रोड स्थित के बर्फ फेक्ट्री के बगल मे पड़े खाली प्लाट मे सुबह जब लोगो ने एक लाश पानी ले गड्ढे मे पड़ी देखी तो वहाँ हड़कम्प मच गया और लोग लाश को देखने के लिये पहुँच गये और इस लाश पड़ेहोने की सूचना

स्थानीय कोतवाली पुलिस को दी मौके पर कोतवाल अरुण कुमार राय दल बल के साथ आये और बदबु दे रही लाश को पानी से, बाहर निकलवाया इस घटना के बारे मे लोगो से जब जानकारी की तो पता चला है की यह लाश धर्म वीर कुशवाहा की है जो यही पर रहकर मजूरी करता था और शाराब पीने का आदि था पुलिस ने पंचनामा भरकर लाश को पोस्टमार्डम ले लिये भेज दिया है पुलिस के मुताबिक यह लाश चार पांच दिन पुरानी है फिलहाल घटना की जाँच पड़ताल की जा रही है

घर में घुसकर महिला के साथ किया दुष्कर्म का प्रयास रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकरावाद कोतवाली के गांव पनैठी निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बुधवार की दोपहर वह अपने घर में सो रही थी तभी एक नामजद उसे घर में अकेला देख घुस आया। और चारपाई पर दवोच लिया और दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। उसने विरोध किया तो आरोपी छेडछाड करते हुए लात मारकर भाग गया। पुलिस ने महिला की तहरीर आरोपित सुगड़पाल उर्फ राजेश पुत्र नाथूराम के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है।

चिकनी पावर प्लांट के पास स्थित बांध पर मंडराया खतरा, तकनीकी खराबी से नहीं खुल रहे गेट, ऊपर से बह रहा पानी

क्यूँ न लिखूँ सच

ओड़गी क्षेत्र में मंगलवार की रात से ही रुक रुक कर तेज बारिश हो रही थी। पर गुरुवार की शाम से जो मूसलाधार बारिश शुरू हुई वह बादलों की गड़गड़ाहट के साथ चौबीस घंटे से भी अधिक समय से अनवरत जारी है। इस अनवरत हो रही बारिश ने शुक्रवार को ओड़गी विकासखंड के चिकनी गांव में स्थित हाइड्रो पावर प्लांट को अपनी चपेट में ले लिया। लगातार हो रही बारिश के पानी से पावर प्लांट के पास स्थित महान नदी के ऊपर बिजली उत्पादन के लिए बनाए गए बांध का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। जिसके बाद प्लांट के कर्मचारियों ने बांध में दस की संख्या में लगे हाइड्रोलिक गेटों को खोलने के लिए आटोमेटिक स्विच तो ऑन कर दिए पर बताया जा रहा है कि किसी तकनीकी खराबी के कारण केवल एक गेट ही खुल सका है। नौ गेट अभी भी बंद हैं। जिसके कारण पानी ओवरफ्लो होकर बांध के ऊपर से बहते हुए प्लांट में भर गया है। गेट न खुलने के कारण बांध के क्षतिग्रस्त होने का भी संभावित खतरा मंडराने लगा है। इससे संबंधित एक वीडियो भी इंटरनेट मीडिया में वायरल हो रहा है जिसमें तेज गति के साथ बांध के ऊपर से निकल रहा पानी

पावर प्लांट के अंदर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि अभी तक बांध से निकल रहे पानी के कारण बांध या पावर प्लांट को कोई नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है।

बता दें कि चिकनी गांव में मौजूद बांध के दूसरी तरफ बलहीपानी गांव की बसाहट है। जो चारों ओर से पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इस गांव में दर्जनों ग्रामीण परिवार निवास करते हैं। यहां के ग्रामीणों को मुख्यालय तक पहुंचने के लिए बांध के ऊपर बने मार्ग का ही उपयोग करना पड़ता है। इसके अलावा ग्रामीणों को मुख्यालय से जोड़ने के लिए अन्य कोई मार्ग नहीं है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बांध के ऊपर से गुजर रहे पानी के तेज बहाव ने बलहीपानी के ग्रामीणों का मुख्यालय से संपर्क काट दिया है। इधर बारिश के पानी से बिगड़ी बांध की स्थिति को देखते हुए मौके पर पहुंची जिला प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम ने बांध के डुबान क्षेत्र के आसपास मौजूद गांवों को खाली करा वहां के ग्रामीणों को तो ऊंचे स्थानों पर भेजने का काम शुरू कर दिया है। पर बलहीपानी के ग्रामीणों को अब तक डुबान क्षेत्र से बाहर नहीं निकाला जा सका है। क्योंकि बलही पानी गांव तक पहुंचने के लिए एक मात्र रास्ता बांध के ऊपर से होकर गुजरता है और ओवरफ्लो होने के कारण बांध के ऊपर से लगातार तेज गति के साथ पानी का बहना जारी है।

ऐसे में वहां के ग्रामीणों को डुबान क्षेत्र से निकालने में टीम को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संभावित खतरे को देखते हुए मुनादी के माध्यम से भी ग्रामीणों या अन्य किसी को भी बांध की ओर न जाने की समझाइश दी जा रही है। पावर प्लांट से प्रतापपुर को दी जाती है

बिजली- बता दें कि ओड़गी विकासखंड के चिकनी स्थित पावर प्लांट से प्रतापपुर के खजूरी गांव में स्थित 33 केवी की क्षमता वाले सबस्टेशन को बिजली की सप्लाई दी जाती है। इसके अलावा जब पावर प्लांट में बिजली का उत्पादन ज्यादा होने लगता है तो बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर तक भी बिजली की सप्लाई दी जाती है। हालांकि अभी तक पावर प्लांट से प्रतापपुर को दी जा रही बिजली की सप्लाई बाधित नहीं हुई है। अभी भी पावर प्लांट का सही तरीके से काम करना बताया जा रहा है।

झिझाना मे शिवरात्रि पर उमड़ी भक्तों की भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली।- झिझाना मे शिवरात्रि पर सब्जी मंडी मैंन बाजार स्थित देवी मंदिर तथा बस स्टैंड भूमिया मन्दिर पर सुबह शुभ मुहूर्त पर शिव भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। आस्था मे विश्वास रखने वाले शिव भक्तों नें दूर-दूर से सुंदर कांवड मे शिवरात्रि पर बाबा को हरिद्वार से मेहनत कर लाए जल से बाबा का जलाभिषेक किया गया। कस्बा वासियों ने भी बाबा को जल जलाभिषेक किया और अपनी मनोकामना पूरी करने हेतु बाबा से अरदास की। जलाभिषेक के बाद बाबा का भव्य मंगल श्रृंगार कर महा आरती की तथा प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठाया। इस पावन पर्व पर हजारों की संख्या में श्रद्धालू मौजूद रहें।

सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी को दी गई विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती।- निवर्तमान प्रशासनिक अधिकारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव को अधिवर्षता आयु पूरी कर सेवानिवृत्त होने पर उनके द्वारा जिले में दिये गये अतुलनीय योगदान के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय भविष्य की कामना किया और कहा कि किसी भी अधिकारी/कर्मचारी की पहचान उनके व्यक्तित्व एवं कर्तव्यनिष्ठा से ही जानी जाती है। सेवानिवृत्त ओम प्रकाश ने जिले में अपना सहयोग देकर अपनी महती भूमिका निभाई है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्हें जो भी कार्य दिया जाता था, उसे दायित्व बोध के साथ पूरी निष्व से निभाते थे। अन्त में उन्होने ओम प्रकाश के उज्जवल भविष्य की कामना की। अपने सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी ने श्रावस्ती में विताए अपने सेवाकाल के अनुभवों को भी इस अवसर पर साझा किया। उन्होने कहा कि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी जिस भी पद पर तैनात है, वह अपने उच्चाधिकारियों द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को बारखूबी निभाएं और गरीब मजलूमों की सेवा करके उन्हें हरहाल में विश्वास दिलायें, यही सच्ची सेवा है। सम्मान समारोह के अवसर पर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, उपजिलाधिकारी संजय कुमार सहित अन्य तमाम विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त ओम प्रकाश को माला पहनाकर पुष्प गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान अन्य अधिकारीगणों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये और उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की। विदाई समारोह में कार्यक्रम का संचालन अपर जिलाधिकारी के आशुलिपिक के के वैश्य ने किया। इस अवसर पर राजस्व विभाग के कर्मचारी क्रमशः अश्वनी यादव, सुरेन्द्र कुमार, कौशल यादव, विपिन चटर्जी, प्रीतम, जिलाधिकारी के आशुलिपिक अनूप तिवारी, नाजिर चन्द्रमौली श्रीवास्तव, इं डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शरद श्रीवास्तव सहित अन्य समस्त विभागों के अधिकारी/कर्मचारी गण मौजूद रहे।

लोक संपत्ति क्षति निवारण एक्ट में नामित 03 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती घनश्याम चौरसिया द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी जमुनहा सतीश कुमार शर्मा के कुशल निर्देशन में थानाध्यक्ष शैलकान्त उपाध्याय थाना हरदत्तनगर गिरन्ट मय हमराह द्वारा मुकदमा लोक संपत्ती निवारण एक्ट से संबंधित तीन वांछित अभियुक्त सलमान पुत्र गुलाब खां, उम्मेद खां पुत्र इसहाक खां,डान उर्फ इरफान खान पुत्र रसीद खां निवासी मदारा गढी जनपद बहराइच को जब जव्दी तिराहा से गिरफ्तार किया गया।

त्योहारी सीजन ने तोड़ा कांच चूड़ी बाजार का सन्नाटा, घूमा उत्पादन का पहिया

कांच की चूड़ी की खनक से मंदी का सन्नाटा टूट गया है। वजह है आगामी त्याहार का सीजन। शहर के चूड़ी कारखानों में फिर से रौनक लौट आई है मंदी के दौर से गुजर रहे फिरोजाबाद के कांच चूड़ी उद्योग को सावन के महीने और आने वाले त्योहारी सीजन से संजीवनी मिल गई है । पूरे विश्व में कांच

की रंग बिरंगी चूड़ियां एक मात्र फ़िरोज़ाबाद शहर में बनाई जाती हैं । देश के कौन-कौन में फ़िरोज़ाबाद से ही कांच की चूड़ी जाती है जो महिलाओं के कलाई की शोभा बनती है । कई हाथों से कांच की चूड़ी गुजरती है तब महिलाओं की कलाई तक पहुंचती है ।कई कारीगर चूड़ी को बनाते हैं तब यह बाजार में बिकने के लिए पहुंचती है । चूड़ी के कारीगर कांच कारखाने के अंदर जिस भट्टी पर काम करते हैं वह भट्टी 1100 डिग्री तापमान पर धधकती है। फिरोजाबाद की चूड़ी इस समय संकट के दौर से इस कारण भी गुजर रही है क्योंकि चूड़ी के विकल्प के रूप में अन्य कई तरह की चूड़ियां बाजार में आ गई हैं । जैसे लाख की चूड़ी, प्लास्टिक की चूड़ी, मेटल की चूड़ी बाजार में काफी बिक रही है । वहीं कामकाजी महिलाओं ने भी चूड़ी पहनना कम कर दिया है इस कारण भी चूड़ी की डिमांड कम होती जा रही है लेकिन जब भी त्यौहार का सीजन आता है तब फिरोजाबाद के कांच कारखाने में उत्पादन में पहिया घूमने लगता है। सावन के महीने में हरी चूड़ी की डिमांड बढ़ जाती है तो इसके बाद आने वाले नवरात्र , करवा चौथ, दीपावली आदि सीजन में लाल चूड़ी की डिमांड काफी बढ़ जाती है। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि कई राज्यों से लाल चूड़ी की डिमांड अधिक होती है। इसलिए फिरोजाबाद की चूड़ी कारखाने में इस समय लाल चूड़ी का उत्पादन काफी मात्रा में हो रहा है। सावन के महीने के ऑर्डर तो कारखाना संचालक पूरे कर चुके हैं और चूड़ी देश के कौने-कौने में पहुंच चुकी है और लाल चूड़ी का उत्पादन हो रहा है । यह उत्पादन आने वाले त्योहारीसीजन को पूरा करेगा। कांच कारखाने दर्रो के चेहरे पर इस बात का इस बार संतोष है कि कई महीनो से चल रहा सुस्ता त्योहारी सीजन ने तोड़ दिया है। सैकड़ो कारीगर जो उत्पादन कम होने से खाली बैठे थे , उन हाथों को काम मिल गया है। उनके चेहरे पर भी मुस्कान है।

आसमान में रहस्यमय धमाके की गूंज से हिला बरेली, घरों से बाहर निकले लोग

बरेली में शुक्रवार को सुबह 11.30 बजे का वक्त था। लोग अपने कामों में व्यस्त थे। तभी तेज धमाके की आवाज ने सबको चौंका दिया। शहर के कई लोगों ने यह आवाज सुनी। बताया गया कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि घरों के दरवाजे तक हिल गए।बरेली में शुक्रवार को सुबह 11.30 बजे रहस्यमय धमाके जैसी आवाज ने पूरे शहर को हिला दिया। किसी ने इसे भूकंप समझा तो किसी ने कुछ और गतिविधि। हर कोई अचंभित होकर लोगों से पूछताछ करता रहा। सोशल मीडिया पर धमाके

की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। लोग पोस्ट डालकर धमाके के बारे में जानकारी करते रहे। शहर से लेकर देहात तक यह आवाज सुनी गई। घरों के दरवाजे और खिड़कियां तक हिल गईं। लोग सहम गए और घरों से बाहर निकल आए। जगतपुर पानी की टंकी के पास रहने वाले सचिन ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 11 बजे तेज धमाके की आवाज सुनी। लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। एक-दूसरे से जानकारी करने लगे। जगतपुर के ही अम्बर ने बताया कि ऐसा लगा जैसे आसमान में कोई चीज फटी हो। सीबीगंज की अल्का गुप्ता ने भी धमाके की आवाज सुनी। वह उस वक्त रसोई में काम कर रही थीं। आवाज सुनकर वह तुरंत घर से बाहर निकलीं। पड़ोसियों से जानकारी की। बताया गया कि ऐसा लगा कि आसमान में कोई तेज धमाका हुआ है। धमाके की आवाज को लेकर चर्चा करते रहे लोग -शहर के इज्जतनगर, बारादरी, किला, प्रेमनगर आदि इलाकों में भी तेज आवाज सुनी गई। लोग इसे लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा करते रहे, लेकिन दोपहर बाद असमंजस की स्थिति बनी रही। जिले के हाफिजगंज इलाके में धमाके को लेकर लोग चर्चा करते रहे। वहीं जानकारों के मुताबिक सोनिक बूम की आवाज रहेगी। ऐसा तब होता है, जब कोई विमान ध्वनि की गति से तेज उड़ान भरता है। सेवानिवृत्त सार्जेंट राकेश विद्यार्थी ने बताया कि जब कोई लड़ाकू विमान हवा की गति से तेज उड़ान भरता है। जब विमान आगे बढ़ जाता है, तब उसके पीछे कुछ देर बाद धमाके जैसी तेज आवाज आती है। क्योंकि आसमान में कई जगह हवा का वैक्यूम होता है। जहां पर यह ध्वनि विस्फोट के तौर पर सुनाई देती है। बरेली में एयरबेस है। ऐसे में यहां सुबह और दोपहर लड़ाकू विमान उड़ान भरते हैं। संभवतः यही कारण रहा होगा।

गंगा नदी का रौद्र रूप दो दर्जन से अधिक गांव जलमग्न आधा दर्जन गांवों का मुख्यालय से टूटा सम्पर्क

क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद- आधा दर्जन गांवों की सड़क पानी में बह गई मुख्यालय से टूटा सम्पर्क जिला अधिकारी डॉक्टर वीके सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण बाढ़ पीड़ितों को बाटी बाढ़ राहत सामग्री बाढ़ पीड़ितों से पूछी समस्या आधा दर्जन गांवों में काटी गई विजली ठ्ठरूने कराई रोशनी की व्यवस्था टाइम्स नाउ नवभारत की टीम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पहुच जानी जमीनी हकीकत एंकर गंगा नदी पहुची चेतावनी बिंदु पर तहसील अमृतपुरमें दो दर्जन से अधिक गांव हुए जलमग्न बाढ़ प्रभावित आधा दर्जन गांवों की विजली काटी गई आधा दर्जन गाँवो का मुख्यालय से संपर्क टूट गया जिला अधिकारी ने मौके पर पहुच बाढ़ पीड़ितों से ली जानकारी अस्थायी अस्पताल पहुच देखी स्वास्थ्य व्यवस्था बाढ़ पीड़ितों से पूछा दवा मिल रही हैं कि नहीं बाढ़ पीड़ितों को वितरित की जिला अधिकारी ने बाढ़ राहत सामग्री पहाड़ो पर हो रही लगातार बारिश से गंगा नदी पहुची चेतावनी बिंदु पर दो दर्जन से अधिक गांव हुए पूरी तरह से जलमग्न आधा दर्जन सरकारी स्कूल हुए जलमग्न गंगा का जल स्तर चेतावनी बिंदु पर पहुचने से तीसराम की मड़ैया गांव की सड़क कट जाने से आवागमन बाधित हो गया है वही रामपुर, जोगराजपुर, सुंदरपुर, कछुआ गाड़ा गांव हुए जलमग्न जिला अधिकारी डॉक्टर वीके सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुच किया निरीक्षण उन्होंने अस्थायी अस्पताल में दवाओं को चेक किया और डॉक्टर से पूछा कि किस बीमारी के आ रहे मरीज डॉक्टर ने बताया बुखार और खुजली की बीमारी के मरीज आ रहे हैं उसके बाद उन्होंने गांव के अंदर पहुच तेज धार चलते देख आवागमन बन्द कराने के निर्देश दिए सड़क कट जाने से लोग पानी में घुस कर निकल रहे हैं पानी की तेज धार देख जिला अधिकारी ने कटी सड़क के पास रस्सी बांध रोशनी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए तहसील कायमगंज में एक दर्जन से अधिक गांव पूरी बाढ़ का पानी मुख्य मार्गो पर तेज गति से बहने लगा तहसील कायमगंज में कमथरी,आलमपुर, जटपुरा, सहित एक दर्जन गांव जलमग्न हो गए जिला अधिकारी डॉक्टर वीके सिंह ने वताया बाढ़ पीड़ितों को छ्व बाढ़ राहत सामग्री वितरित की जा रही हैं स्वास्थ्य टीम को तैनात कर दिया गया है

शिक्षक को गोली मारने वाला साथी वीरेंद्र राजपूत गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद- फर्रुखाबाद शिक्षक कर्मचारी विश्राम सिंह राजपूत को गोली मारने की घटना का पर्दाफाश कर आरोपी साथी वीरेंद्र राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। थाना कमालगंज पुलिस ने कोतवाली फतेहगढ़ की गीता पुरम कॉलोनी निवासी वीरेंद्र राजपूत पुत्र स्वर्गीय आरएस राजपूत को पुलिस लाइन में मीडिया के सामने पेश किया। अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संजय कुमार ने मीडिया को बताया पुलिस अधीक्षक द्वारा चार टीमों का गठन किया था। विवेचना के दौरान संकलित किए गए साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज, बयान एवं अभियुक्त गिरफ्तारी तथा उसके इकबाल के उपरांत उसकी निशान देही पर घटना के समय महिला का भेष धारण करने वाले कपड़े एवं घटना में प्रयुक्त अवैध शस्त्र मय कारतूस खोखा बरामद करते हुए मात्र 48 घण्टे के भीतर घटना का सफल अनावरण किया गया। उन्होंने बताया की घटना की रंजिश में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि खंड शिक्षा अधिकारी कमालगंज के कार्यालय में तैनात विश्राम सिंह के कारण मेरा व मेरी पत्नी के बीच में आए दिन लड़ाई-झगड़ा होता था। मुझे अपनी पत्नी के चरित्र के ऊपर शक था। पत्नी के इसी व्यवहार के कारण मै विश्राम सिंह को जान से मारने के लिए लगभग 2 वर्ष से योजना बना रहा था। जिसके लिए मैंने एक अवैध तमंचा लिया एवं ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म से महिला के हेयर बिग खरीदी। गयी मैने चार-पांच महीने पहले फर्रुखाबाद की अलग-अलग दुकानों से जूते एवं महिला के सूट लैगिंग एवं अन्य सामान खरीदे थे।शिक्षक को गोली मारने वाला साथी वीरेंद्र राजपूत गिरफ्तार फर्रुखाबाद शिक्षक कर्मचारी विश्राम सिंह राजपूत को गोली मारने की घटना का पर्दाफाश कर आरोपी साथी वीरेंद्र राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। थाना कमालगंज पुलिस ने कोतवाली फतेहगढ़ की गीता पुरम कॉलोनी निवासी वीरेंद्र राजपूत पुत्र स्वर्गीय आरएस राजपूत को पुलिस लाइन में मीडिया के सामने पेश किया। अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संजय कुमार ने मीडिया को बताया पुलिस अधीक्षक द्वारा चार टीमों का गठन किया था। विवेचना के दौरान संकलित किए गए साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज, बयान एवं अभियुक्त गिरफ्तारी तथा उसके इकबाल के उपरांत उसकी निशान देही पर घटना के समय महिला का भेष धारण करने वाले कपड़े एवं घटना में प्रयुक्त अवैध शस्त्र मय कारतूस खोखा बरामद करते हुए मात्र 48 घण्टे के भीतर घटना का सफल अनावरण किया गया। उन्होंने बताया की घटना की रंजिश में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि खंड शिक्षा अधिकारी कमालगंज के कार्यालय में तैनात विश्राम सिंह के कारण मेरा व मेरी पत्नी के बीच में आए दिन लड़ाई-झगड़ा होता था। मुझे अपनी पत्नी के चरित्र के ऊपर शक था। पत्नी के इसी व्यवहार के कारण मै विश्राम सिंह को जान से मारने के लिए लगभग 2 वर्ष से योजना बना रहा था। जिसके लिए मैंने एक अवैध तमंचा लिया एवं ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म से महिला के हेयर बिग खरीदी। गयी मैने चार-पांच महीने पहले फर्रुखाबाद की अलग-अलग दुकानों से जूते एवं महिला के सूट लैगिंग एवं अन्य सामान खरीदे थे।

सुरक्षा अधिकारी आर के भार्गव की तानाशाही थमनें का नाम नहीं ले रहा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार तिवारी डिप्टी मैनेजर

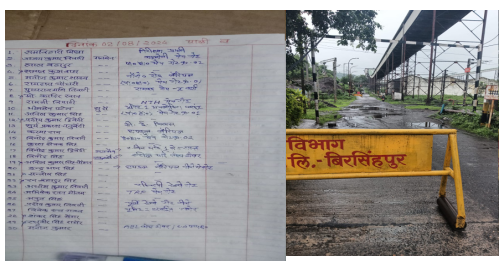

उमरिया जिले के बिरसिहपुर संजय गांधी विद्युत ताप गृह संयंत्र में सुरक्षा अधिकारी आर के भार्गव के द्वारा जहां पूरे सुरक्षा का भार सौंपा गया है वहीं पर सुरक्षा के साथ किया जा रहा है खिलवाड़ आज दिनांक 02/08/24 को समय सुबह 0800 बजे से लेकर शाम 1600 बजे तक की ?ब पाली ड्यूटी लगाई गई थी जिसमें पूर्वी रेलवे गेट जहां पर दो एक्स मैन सुरक्षा सैनिको को लगाया जाता है गेट के दोनों तरफ वहां पर आज एक ही सुरक्षा सैनिक की ड्यूटी लगाई गई है जबकि दोनों तरफ बैरियर लगा है जब ट्रेन रैक खाली व लोड गेट से अंदर बाहर नही हो जाता तब तक दोनों बैरियर को बंद कर दिया जाता है और उस दौरान संयंत्र में कार्यरत किसी भी व्यक्ति कों आने जाने से रोक दिया जाता है ताकि कोई जान-माल का नुक़सान न हो उसके बाद बैरियर को खोल दिया जाता है आवागमन चालू कर दिया जाता है जब तक कोई ट्रेन दुबारा अंदर बाहर नहीं होता है तब तक आपको बताते चलें कि एक्स आर्मी एवं एक्स अर्धसैनिक बल एवं सिविल प्राइवेट गार्ड के द्वारा संयंत्र की सुरक्षा में तैनात किया गया है किसी अन्य कारणों से आज दिनांक 02/08/24 को प्राइवेट गार्ड के तैनाती ब पाली में नहीं की गई थी जिसके कारण प्राइवेट गार्ड की जगह सुरक्षा सैनिक की ड्यूटी लगाई गई इस कारण महत्वपूर्ण पोस्ट खाली रह गए जिसमें की पूर्वी रेलवे गेट नीचे दो सुरक्षा सैनिक की जगह एक को लगाया गया जहां पर कोई घटना घटित होने से भारी जान माल का नुक़सान होने की संभावना बनी रहती है ट्रेन के आवागमन के समय एवं पूर्वी रेलवे गेट ऊपर भी जहां ट्रेन व रैक ?का आना जाना लगा रहता हैं और किसी भी समय अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश कर सकता है और संयंत्र में चोरी तोड़फोड़ आगजनी जैसे वारदात कर सकता हैं और संयंत्र की एवं राज्य सरकार को भारी नुक़सान होने की संभावना हो सकती हैं आपको आगे बताते चलें कि एक्स आर्मी सुरक्षा सैनिकों का कहना है कि हम डबल ड्यूटी करने के लिए तैयार रहते हैं और जिस दिन मेरा सप्ताहिक विश्राम रहता है उस दिन भी मैं ड्यूटी करने के लिए तैयार रहते हैं लेकिन सुरक्षा अधिकारी आरके भार्गव के द्वारा जानबूझकर ड्यूटी नहीं लगाया जाता है चाहे पोस्ट भले ही खाली रहे जब मेन पावर कम हो तों कम से कम उस समय डबल ड्यूटी सुरक्षा सैनिक को देना संयंत्र के हित में है आखिर कोई घटना दुर्घटना घट जाए तो इसका जवाबदारी कौन होगा यह जांच का विषय है जबकि पारी प्रभारी के द्वारा ड्यूटी लागाने के बाद ड्यूटी रजिस्टर की फोटो भेजी जाती है सुरक्षा अधिकारी के पास और सुरक्षा अधिकारी के द्वारा संयंत्र में भ्रमण भी किया जाता हैआज दिनांक को स्टोर शेड सीएचपी टीआर एफ टावर एवं अन्य जगहों पर ड्यूटी नहीं लगाया गया संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा जांच बैठा कर सुरक्षा अधिकारी आर के भार्गव के ऊपर कार्यवाही किया जाना उचित होगा ताकि भविष्य में इस तरह का पुनरावृत्ति ना हो और संयंत्र का होने वाले नुकसान से और जान माल के नुकसान को समय रहते बचाया जा सके

संक्षिप्त समाचार

गोविन्दगढ पुलिस बडी कार्यवाही एटीएम कार्ड बदलकर लोगो से धोखाधड़ी करने वाले शातिर गिरोह गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार तिवारी डिप्टी मैनेजर संपादक पुलिस अधीक्षक महोदय रीवा श्री विवेक सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय रीवा श्री अनिल सोनकर के निर्देशन मे उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) रीवा श्रीमति हिमाली पाठक के मार्गदर्शन में उप निरी.शिवा अग्रवाल के नेतृत्व मे एटीएम कार्ड बदलकर लोगो से धोखाधडी करने वाले दो आरोपियो को किया गिरफ्तार आरोपियो के कब्जे से 5 एटीएम कार्ड

4 मोबाइल फोन एवम नगदी व एक मोटरसाइकिल जप्त मामले का विवरण इस प्रकार से है कि दिनाँक 1./8/24 को फरियादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई की किसी अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एटीएम बदलकर मेरे पैसे निकाल लिए हैं जिसकी रिपोर्ट पर से थाना गोविंदगढ़ में अपराध क्रमांक 203/24 धारा 318(4),319(2) कायम कर विवेचना में लिया गया दौरान विवेचना एटीएम की सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबीरो से पता तलाश करने पर दिनांक 2.8.24 को विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई दो व्यक्ति उसी हुलिया के घूम रहे हैं तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर पकड़ा व नाम पता पूछने पर अपना संतोष पाठक, व सुनील पाल बताए जिनसे घटना के संबंध में पूछताछ किया तो घटना करना बताए जिन्हे गिरफ्तार कर थाने लाए नाम गिरफ्तार आरोपी- 1.संतोष पाठक पिता भैयालाल पाठक 40 साल नि. रायपुर पट्टी जिला प्रतापगढ़ ह्वश्च 2. सुनील पाल पिता पंचमलाल 38 साल नि. सधईपुर श्रह्य पट्टी जिला प्रतापगढ़ ह्वश्च
जप्त मशरूका .5 नग एटीएम कार्ड ,4 मोबाइल फोन एवम नगदी व एक मोटरसाइकिल जप्त की गई कुल कीमती 2 लाख रूपए कार्यवाही करने वाली टीम:- उप निरी.शिवा अग्रवाल, उप निरी सुशील सिंह एएसआई .सुनील पाण्डेय एएसआई .आर .जी वर्मा आर.राहुल पाण्डेय,आर.उपेन्द्र सिंह,आर.दिवाकर तिवारी ,आर.कौशलेंद्र सिंह परिहार आर केपी सिंह ,सै. सुधाकर मिश्रा

राजेश राय एसओजी प्रभारी, रणविजय को कमालगंज की कमान

क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद-पुलिस अधीक्षक ने बीती रात एसओजी प्रभारी सहित दो थानाध्यक्षोंकी तैंनाती में फेर बदल किया हैद्य जिससे महकमे में ख़लबली है द्य पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बीती रात कमालगंज थानाध्यक्ष राजेश राय को एसओजी प्रभारी के पद पर तैनाती हैद्य इसके साथ ही राजेपुर के प्रभारी निरीक्षक रणविजय सिंह को कमालगंज का थानाध्यक्ष बनाया है द्य वीआईपी सेल में तैनात निरीक्षक योगेंद्र सिंह सोलंकी को थानाध्यक्ष राजेपुर बनाया गया है द्य

डीएम कमिश्नर एडी हेल्थ दीनदयाल अस्पताल का निरीक्षण करें-राकेश

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि. दीनदयाल अस्पताल में बिजली जाने के बाद जनरेटर की उपलब्ध नहीं है कहीं-कहीं दीनदयाल हॉस्पिटल में मैरिज गर्मी की मार झेल र ह े दीनदयाल हॉस्पिटल में जनरेटर की स ु व ि ध ा उपलब्धि कराई जाए किसी मरीज को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए मरीज का लगकर इलाज किया जाए मरीजों के साथ सही भाषा का प्रयोग किया जाए भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने यह भी कहा है कि काउंटरों पर लंबी कतार मरीजों की लगती है क्योंकि डॉक्टर समय से नहीं बैठते कमिश्नर डीएम एडी हेल्थ दीनदयाल अस्पताल का निरीक्षण करें दीनदयाल अस्पताल में जहां कमियां है जहां जनरेटर की सुविधा उपलब्ध नहीं है मरीज से संवाद करें समस्याएं मरीजों से मिलती हैं मरीज से सीधा संवाद करें इस अस्पताल में जहां कमियां है वहां पर अधिकारियों को नहीं जाने दिया जाता है इसकी शिकायत उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी से स्वास्थ्य मंत्री जी से सीधी लिखित में की जाएगी

Along with dengue, there can also be a risk of yellow fever in monsoon, know its symptoms and prevention methods

The risk of mosquito-borne diseases increases significantly during monsoon days. According to recent reports, many states of the country are facing the outbreak of dengue these days. Cases of this disease have also increased in eastern states including Maharashtra, Karnataka and Kerala. So far this year, more than 10,000 cases of dengue have been reported in Karnataka, in which eight have died. There are reports of increasing cases of dengue infection in Delhi, Rajasthan and Gujarat as well. Health experts say that during monsoon days, the risk of dengue as well as many other diseases caused by mosquitoes increases. Yellow fever is also one of them. Yellow fever is considered a serious and potentially fatal flu-like disease

that is spread by the same Aedes aegypti mosquitoes, which spread dengue and Zika virus. There is a risk of yellow fever taking a serious form. 30 to 50 percent of patients suffering from this deadly disease die. Let us know why yellow fever is so dangerous and what measures can be taken to prevent it? Know about yellow fever- Yellow fever virus (Flavivirus) causes yellow fever. This disease also spreads when infected mosquitoes bite a human. There is no risk of it spreading from an infected person to other people. As is clear from its name, there can be a risk of skin turning yellow (jaundice) due to this fever. The risk of jaundice along with high fever has been seen more in the infected. Doctors say, it becomes necessary to identify the symptoms in time and get it treated. Due to delay in treatment, the risk of getting serious disease increases. What are the symptoms of yellow fever? Studies show that cases of yellow fever develop rapidly, the symptoms of which appear 3 to 6 days after infection. The initial symptoms of infection are similar to those of influenza virus, in which there may be headache, pain in muscles and joints, chills along with fever. Due to the severe form of the disease, there may be problems of jaundice, loss of appetite, tremors or back pain along with joint pain. If it is not treated on time, some people may also be at risk of urinary problems, vomiting (sometimes with blood), heart rhythm problems, seizures and bleeding from the nose and mouth. Treatment and prevention of yellow fever - There is no cure for yellow fever. Treatment involves taking some measures to manage the symptoms and boost your immune system to fight the infection. Health experts say that it is important to keep trying to prevent yellow fever. The only way to prevent yellow fever is vaccination. A vaccine called 17D is given for this, which is considered quite effective. Adopting methods to prevent mosquito bites can also be helpful in keeping you safe from this disease.

If you get a cut while shaving, use these things, you will get relief from irritation

Men who keep beard also maintain it very well. To maintain beard, many men go out and get shaved but many men think it is better to shave at home. Many times, in a hurry, the skin gets cut by the razor, which we call razor burn. Due to the cut from the razor, sometimes the problem increases to such an extent that it even causes a wound. Many times, due to the razor cut, the skin becomes slightly rough and pimples start coming out. Usually this problem occurs due to using a poor quality razor or blade. In such a

situation, if you get a cut from the razor while shaving, then there is no need to panic. You can get relief from this problem by using some household items. Here we are going to tell you about some such things. Alum - You will definitely find alum in your kitchen. In such a situation, when you get a cut while shaving, rub alum on the skin like soap. This will stop the bleeding and there will be no risk of infection. It will also provide relief from burning sensation. Cold water and ice- As soon as you get a razor cut, without thinking, first pour cold water on the cut. It works to stop the blood immediately. Along with this, you can also use ice cubes. The use of cold water and ice also provides relief from burning sensation. Honey- Honey has many types of antiseptic properties. In such a situation, if you get a razor cut, apply it on the cut with immediate effect. It will heal your wound soon. Aloe vera gel- There is an aloe vera plant in every house. In such a situation, if you get a cut, use aloe vera gel immediately. It cools the skin and helps in healing the wound faster. Coconut oil- You will definitely find coconut oil in your house. In such a situation, use coconut oil immediately if you get a cut. It is rich in antibacterial and antifungal properties. In such a situation, the risk of infection will be averted by its use. Turmeric powder- If you do not find anything anywhere, then immediately use turmeric powder when you get a razor cut. It has natural antiseptic and antibiotic properties, which heal the wound quickly and also prevent infection.

Manu Bhaker, who won two medals in the Olympics, has a different style, looks beautiful in every look

Manu Bhaker, who has made India proud all over the world, needs no introduction today. She did wonders in the ongoing Olympic Games in Paris. She is the first Indian to win two medals in a single Olympics. She first won a bronze medal for the country in the 10 meter air pistol event. After this, she also won another bronze medal in the mixed shooting event with Sarabjot Singh. Her victory is not limited to this. Today, on the seventh day of the Paris Games, Manu will compete in the 25 meter pistol qualification on Friday. The country is still hoping for more medals from her. Everyone is wishing for her victory. Manu is continuously garnering people's love with her victories, but do you know that her looks are also such that people praise her pictures a lot. Let us show you some such looks of Manu, after seeing which you will also say that are our athletes less than any model? Sharara Look- First of all, let's talk about Manu Bhaker's ethnic look, so this style of hers looks very beautiful. Manu looks very beautiful in this Sharara suit. She often shares her pictures in ethnic look. Maxi Dress- She looks very cute in this white maxi dress. She has also carried a sling bag with this dress, which looks good with her look. If you have to go somewhere, then you can also include such a dress in your collection. Short Dress- This floral print short dress looks amazing on her. If you are also going to visit a beach, then take tips from this look of Manu and shop for yourself. This look will work to enhance your beauty. Shimmer Dress- Manu often shares her pictures in short dresses as well. This shimmer dress of hers looks very beautiful. She looks very glamorous in this look. Manu often shares her beautiful pictures on social media. Bodycon Dress Look- To wear the red color bodycon dress as a formal look, Manu has worn a black color blazer with it. Her look is looking quite different because of the blazer. The high heels that Manu has worn with it are making her look quite stylish. Winter Look- This winter look of Manu is very beautiful. In this, she has worn an off white color jacket with jeans. She is looking very cute in this look. Her open hair are adding to her beauty.

'Inside Out 2' overtakes 'The Avengers', makes it to the top 10 of all-time global box office

Director Kelsey Mann's 'Inside Out 2' has grossed $1.524 billion worldwide. The film has officially entered the top 10 films of all time.Disney and Pixar's 'Inside Out 2' remains the

biggest story of the year at the box office. The animated sequel has performed brilliantly. It stands above the rest of the competitors as the highest-grossing film of 2024. The film is making its way into the record books. Now, Pixar's 'Inside Out 2' movie has officially entered the top 10 movies of all time, surpassing Marvel's 2012 superhero blockbuster 'The Avengers'. 'Inside Out 2' beats 'The Avengers' According to reports, director Kelsey Mann's 'Inside Out 2' has grossed $1.524 billion worldwide. This total includes $905.1 million overseas and $618.8 million domestically. It ranks 10th in the global box office of all time. It surpassed the recent film 'Furious 7', which grossed $1.515 billion, and 'The Avengers', which broke records by earning $1.52 billion globally in its time. The highest-grossing film of the year - 'The Avengers' is one of the most important blockbusters in history. It was able to bring together so many different franchises and execute such a crossover. 'Inside Out 2' has helped save the box office this year, as well as providing proof that audiences are once again ready to embrace Pixar as a theatrical brand. 'Frozen 2' - Surpasses 'Incredibles 2' - What 'Inside Out 2' has achieved in six weeks is nothing short of amazing. It has already become the highest-grossing animated film, recently surpassing 'Frozen 2'. It is also Pixar's biggest film to date, surpassing 'Incredibles 2', which grossed $1.24 billion.

Shooting of the film 'Bhool Bhulaiyaa 3' is over, Kartik Aaryan shared pictures with cake cutting

The shooting of director Anees Bazmee's much-awaited film 'Bhool Bhulaiyaa 3' has been completed. Kartik's fans are very happy with this information and are eagerly waiting for the release of the film. Kartik and Anees along with the entire team of 'Bhool Bhulaiyaa 3' wrapped up the film by cutting the cake. Kartik has shared this wonderful moment on his social media handle. An important information has come about 'Bhool Bhulaiyaa 3', one of the most awaited films of this year, that now the shooting of the film is over. On the completion of the shooting of the film, Kartik Aaryan, who is playing an important role in the film, and director Anees Bazmee cut the cake along with all the members of the crew and announced the wrap up of the film. With this information, Kartik and fans of 'Bhool Bhulaiyaa 3' are

overjoyed as they are now sure that the film will now be released on its scheduled time and now the post production work of the film will begin. The multi-starrer film 'Bhool Bhulaiyaa 3' including Kartik Aaryan, Vidya Balan, Tripti Dimri and Madhuri Dixit will be released in theaters this Diwali. The makers have finally completed the shooting of the film, which has made the fans very happy. Last Thursday, the makers announced the completion of the shooting of the film after about 75 days of shooting. On the last day of shooting, Kartik and his director Anees Bazmee cut a big cake with the crew members. Or you can say that they celebrated the completion of the last schedule of the film. Kartik Aaryan shared the wrap up video of the film on his social media handle Instagram and wrote in the caption, "Hey Pagal... Wrap up of the film 'Bhool Bhulaiyaa 3'... The door of the mansion is ready to open once again.. See you this Diwali." On this post of Karthik, Tripti Dimri made a red heart emoji. After this post of Karthik, fans are constantly sharing their opinion by commenting on his video. One fan wrote, 'Har Har Mahadev', another fan wrote, 'Super excited', another user wrote, 'With the door of the mansion, the secrets of Ruh Baba will also be revealed.' Another user wrote, 'I am eager to see Ruh Baba with Manjulika.' Another user wrote, 'I have seen your Bhool Bhulaiyaa 2 at least 45 times... I found it new every time.' Apart from Karthik, Vidya Balan, Madhuri Dixit and Tripti Dimri will be seen in important roles in the film. Apart from these, Rajpal Yadav and Sanjay Mishra will also be seen in important roles in the film. Let us tell you that the shooting of this year started in March. The film has been shot in many locations, in which the team worked hard on studio sets and real locations in the last four months. The post production work of the film has started today i.e. 2 August. The audience is eagerly waiting for the release of 'Bhool Bhulaiyaa 3', and they hope that this film will bring more comedy and horror than 'Bhool Bhulaiyaa 1' and 'Bhool Bhulaiyaa 2'. According to media reports, after the shooting of 'Bhool Bhulaiyaa 3' is completed, Kartik Aaryan can now start shooting for the sequel of 'Pati Patni Aur Woh' directed by Mudassar Aziz. Apart from this, Kartik will be seen in director Hansal Mehta's film 'Captain India'. This film is an upcoming Bollywood action drama film, which is being directed by Hansal Mehta. In this film, Kartik Aaryan will be seen in the avatar of Captain.

Katrina Kaif liked the song of Salman Khan's nephew Ayan, shared a post on social media and said this

Salman Khan is a big superstar of Bollywood films. Just a glimpse of him creates tremendous curiosity in the minds of fans for a song or film. Recently, his nephew Ayan Agnihotri has debuted with a music video 'Party Fever'. Salman has also appeared in this video. The song is also being liked by the audience. As soon as it was released, many Bollywood celebrities expressed their happiness and promoted it on social media. Now Katrina Kaif's name has also been added to this episode. The pairing of Katrina Kaif and Salman Khan on screen has been well liked by the fans. Both have appeared in many superhit films. Both were also seen together in Tiger 3 released last year. In such a situation, now Katrina has also reacted to this music video of Ayan. She has congratulated Ayan and the team for this song. Sharing the video of the song on her Instagram, the actress wrote, "Congratulations to Ayan. This is fantastic." Salman is often seen supporting and promoting the work of family members. He had earlier promoted his niece Alizeh Agnihotri when she started her acting career with 'Fare'. A few days ago, he shared the music video on social media while promoting this song of Ayan. Sharing the video, he wrote, "Party fever out now! Everywhere, don't forget to watch the music video." This 'Party Fever' song of Ayan is trending a lot. It features Ayan and singer Payal Dev. The song is being liked by the audience and is forcing them to dance. After some time in the song, Salman Khan enters and introduces Ayan as Agni. Let us tell you that Ayan is the son of Salman's sister Alvira Khan Agnihotri and her husband Atul Agnihotri. Kriti Sanon's hot style seen while vacationing in Greece Talking about Salman's work front, these days he is busy with his upcoming film Sikandar. This film is being directed by AR Murugadoss. The film will be released on Eid next year. 'Pushpa 2' actress Rashmika Mandanna will also be seen with Salman in the film.